हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 253, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 मार्च, 2024 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

बलरामपुर और श्रावस्ती का गौरवशाली इतिहास रहा है

सीएम योगी ने विश्वविद्यालय के लिए किया भूमि पूजन, बोले- हम कल्पना को कर रहे साकार

बलरामपुर। जिस बलरामपुर में एक विश्वविद्यालय की बात कभी कल्पना थी, हम आज उसे साकार करने जा रहे हैं। मां पाटेश्वरी की कृपा, भगवान श्रीराम के पुत्र लव की राजधानी, बुद्ध की तपोभूमि और महाराजा सुहेलदेव के शौर्य और पराक्रम की भूमि के सौंदर्य को चंद माफिया और आपराधिक तत्वों ने कुंद करने का कार्य किया था। हम सब इसी संकल्प के साथ सत्ता में आए हैं कि राजनीति का अपराधीकरण हर्गिज नहीं होने देंगे, जो भी हमारे नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा उसको उसकी कीमत चुकानी पड़गी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बलरामपुर में कोइलरा स्थित मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय के भूमिपूजन समारोह के उपरांत जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने बलरामपुर की 1,488.89 करोड़ की 466 विकास परियोजनाओं और श्रावस्ती की 260.37 करोड़ की 31 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा और मार्गदर्शन से आकांक्षात्मक जनपदों को विकसित जनपदों की श्रेणी लाने का प्रयास हो रहा है। बलरामपुर और श्रावस्ती का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां मां पाटेश्वरी की कृपा पूरे क्षेत्र में बरसती है। भारत और नेपाल के श्रद्धालु हर साल बड़ी संख्या में यहां दर्शन करने आते हैं। श्रावस्ती को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पुत्र लव ने अपनी राजधानी बनाया था। यही नहीं श्रावस्ती में भगवान बुद्ध ने चातुर्मास व्यतीत किया था। दसवीं ग्यारहवीं सदी में अपने शौर्य और पराक्रम से भारत की स्वाधीनता और स्वाभिमान को बनाए रखने वाले महाराज सुहेलदेव यहीं के राजा थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं को रौंदने का कार्य किया था।

इसी धरती से हुई रामजन्मभूमि आंदोलन की शुरूआत- मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम के विराजमान होने के गौरवमयी क्षण के हम हाल ही में साक्षी बने हैं, उसके लिए 1949 से रामजन्म भूमि आंदोलन की शुरूआत इसी बलरामपुर की धरती से हुई थी। यहां लिया गया हर संकल्प अवश्य पूरा होता है। यहां राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने अपनी साधना से एक पहचान पाई थी। इसी धरती से अटल जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। ये धरती पहले से ही प्रकृति और परमात्मा की कृपा की धरती रही है, लेकिन चंद माफिया और आपराधिक तत्वों ने इस धरती के सौंदर्य को कुंद करने का कार्य किया था। राजनीति का अपराधीकरण इस पूरी व्यवस्था में सबसे बड़ी बाधा थी।

अगले साल बलरामपुर को मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सुविधा- मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि देवी पाटन मंडल में कभी मेडिकल कॉलेज होंगे, विश्वविद्यालय और एयरपोर्ट होंगे। उन्होंने बताया कि आज यहां 350 बेड वाले अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। अगले वर्ष तक बलरामपुर जिले को मेडिकल कॉलेज भी हम देने जा रहे हैं। श्रावस्ती को एयरपोर्ट मिल चुका है। बलरामपुर में विश्वविद्यालय कभी कल्पना थी, अब वो भी साकार हो रही है। इस कमिश्नरी के चार जनपदों में तीन मेडिकल कॉलेज हैं, दो बन चुके और तीसरे का उद्घाटन आज हो रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- इलेक्टोरल बांड केंद्र सरकार का सबसे बड़ा घोटाला

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि इलेक्टोरल बांड केंद्र सरकार का सबसे बड़ा घोटाला है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार ने कंपनियों से चंदा लेकर धंधा दिया, उनसे रिश्वत ली, मनी लांड्रिंग की और प्रवर्तन निदेशालय के डर से भी चंदा लिया। उन्होंने कहा कि अभी भी 2018 से 2019 के कुछ हिस्से की जानकारी नहीं दी गई है। इसमें 95 फीसदी पैसा भाजपा को गया है। अजय राय ने पीएम केयर फंड पर भी श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। अजय राय ने इस अवसर पर केंद्रीय नेतृत्व की ओर से जारी युवा, किसान, महिला और आदिवासी न्याय गारंटी का पोस्टर जारी किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा संकल्प है। इंडिया गठबंधन की केंद्र में सरकार बनने के बाद हम इसे लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन देश में सरकार बनाएगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची पर उन्होंने कहा कि जल्द ही लिस्ट जारी की जाएगी। 17 में कुछ सीट और गठबंधन को देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम लेने वाले हैं, देने वाले नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन के घोटाले गिनाए, कहा- सूची बहुत लंबी है

चेन्नई। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के कन्याकुमारी में प्रचार करने पहुंचे। यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के घोटाले गिनवाए और कहा कि इसकी सूची बहुत लंबी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इसबार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडू के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडू की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। तमिलनाडू में भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडी गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा।" पीएम मोदी ने आगे कहा, "हमने ऑप्टिकल फाइबर और 5जी दिया, हमारे नाम पर डिजिटल इंडिया स्कीम है। इंडि गठबंधन के नाम पर लाखों करोड़ रुपए का 2जी का स्कैम है, और डीएमके उस लूट की सबसे बड़ी हिस्सेदार थी। हमारे नाम पर उड़ान स्कीम है, इंडी गठबंधन के नाम हेलीकॉप्टर स्कैम है। हमारी खेलो इंडिया और टीओपीएस स्कीम्स से देश ने खेलों में ऊंचा मुकाम हासिल किया, लेकिन उनके नाम पर कॉमन वेल्थ गेम्स स्कैम का दाग है।" पीएम मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि इंडि गठबंधन कभी भी तमिलनाडु को विकसित नहीं बना सकता। उन्होंने कहा, "इन लोगों (इंडि गठबंधन) का इतिहास घोटालो का है। इन लोगों की राजनीति का आधार लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना है। एक तरफ भाजपा की

कल्याणकारी योजनाएं होती हैं, तो दूसरी ओर इनके करोड़ों के घोटाले होते हैं।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीएमके पर भी निशाना साधा। उन्होंने डीएमको को तमिलनाडु का दुश्मन बताया है। सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "डीएमके तमिलनाडु के भविष्य की ही दुश्मन नहीं है, डीएमके तमिलनाडु के अतीत की, उसकी विरासत की भी दुश्मन है।" उन्होंने आगे कहा, "डीएमके और कांग्रेस तब भी चुप बैठी रही, जब जल्लीकट्टू पर पाबंदी लगी थी। ये लोग तमिल संस्कृति को नष्ट करना चाहते हैं। ये हमारी सरकार है, एनडीए की सरकार है जिसने जल्लीकट्टू को पूरे उत्साह के साथ मनाए जाने का रास्ता साफ किया।" विपक्षी गठबंधन को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, "जब दिल्ली में संसद की नई इमारत बनी तो तमिल संस्कृति के प्रतीक, इस धरती के आशीर्वाद स्वरुप पवित्र सेंगोल को हमने नए भवन में स्थापित किया, लेकिन इन लोगों ने इसका भी बॉयकॉट किया, उन्हें सेंगोल की स्थापना पसंद नहीं आई।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले यहां आया था, मैंने यहां के प्राचीन तीर्थों के दर्शन किए थे, लेकिन डीएमके ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने तक पर रोक लगाने का प्रयास किया था। सुप्रीम कोर्ट को तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगानी पड़ी थी।" पीएम मोदी ने कहा कि इंडि गठबंधन के ये लोग तमिलनाडु के लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ के भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, "श्रीलंका में हमारे मछुआरे भाइयों को फांसी की सजा दी गई थी, ये मोदी चुप नहीं बैठा। हर रास्ते का इस्तेमाल किया और हर प्रकार का दबाव बनाया और मैं उन सभी मछुआरों को श्रीलंका से फांसी के फंदे से उतारकर वापस लाया।"

ट्रक ने बोलेरो व बाइक में मारी भीषण टक्कर मां-बेटी समेत तीन की मौत; छह लोग घायल

मिजार्पुर। मिजार्पुर के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बड़का घुमान मोड़ के पास अनियंत्रित ट्रक ने बोलेरो व बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोग घायल हो गये। इसमें चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जिसमें तीन की मौत हो गई है। इसमें दो मां-पुत्री व एक महिला का मौसेरा भाई है।

मध्य प्रदेश के मऊगंज जिला के हनुमाना थाना अंतर्गत मझिगवां निवासी गोविंद (22) पुत्र हीरालाल अपनी मौसेरी बहन सविता (30) पत्नी फूलचंद निवासी गुर्गी थाना हलिया व सविता की दो पुत्री अनुष्का (6) व तृषा (8) को बाइक पर बैठा कर उनके घर छोड़ने आ रहा था। बाइक शुक्रवार की दोपहर ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ड्रमंडगंज घाटी में बड़े मोड़ के पास पहुंचे थे। ट्रक के पीछे बोलेरो और

बोलेरो के पीछे ट्रक चल रही थी। ट्रक चालक अनियंत्रित होकर बोलेरो में टक्कर मार दिया, जिसके बाद बोलेरो पलट गई। बोलेरो में टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ने बाइक में भी टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो सवार पांच, बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को स्वास्थ केंद्र ले जाया गया।

वहां से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार चारों लोगों को ट्रामा सेंटर मिजार्पुर रेफर कर दिया गया। ट्रामा सेंटर मिजार्पुर पहुंचने पर डॉक्टर ने सविता, उसकी पुत्री अनुष्का और उसके मौसेरे भाई गोविंद को मृत घोषित कर दिया। घायल तृषा का इलाज किया जा रहा है। सूचना मिलने पर एएसपी नक्सल ओपी सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य डॉ. आरबी कमल ट्रामा सेंटर पहुंचे हैं। सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मचा है।

सरकार ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी, आयातित इलेक्ट्रिक कारों पर टैक्स में की कटौती

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश को इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक ई-वाहन नीति को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत, इच्छुक कंपनियों को भारत में मैन्युफेक्चरिंग प्लांट (विनिर्माण सुविधा) स्थापित करनी होगी। जिसके लिए न्यूनतम निवेश 4150 करोड़ रुपये होगा, वहीं अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार, 15 मार्च को एक अधिसूचना जारी कर भारत में आयातित इलेक्ट्रिक कारों पर टैक्स बेनिफिट्स उठाने के लिए दिशानिदेर्शों और पात्रता को स्पष्ट किया। कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता जो भारत में कम से कम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करने और स्थानीय रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण शुरू करने के लिए तीन साल की समय सीमा का पालन करने का वादा करता है, उसे ईवी पर आयात कर में कटौती मिलेगी। हालांकि, यह नीति ईवी निमार्ताओं को एक वर्ष में अधिकतम 8,000 इलेक्ट्रिक कारों को भारत लाने की अनुमति देती है। इन कार निमार्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों पर आयात शुल्क घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया जाएगा। बशर्ते उनकी कीमत 35,000 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) से ज्यादा न हो। इस समय,

केंद्र सरकार भारत में लाई जाने वाली इलेक्ट्रिक कारों पर 70 से 100 प्रतिशत तक का इंपोर्ट टैक्स (आयात कर) लगाती है। मंत्रालय के अनुसार, "यह नीति भारतीय उपभोक्ताओं को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी तक पहुंच प्रदान करेगी, 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देगी, ईवी निमार्ताओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करेगी।

चुनाव आयुक्त नियुक्ति अधिनियम के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, 21 मार्च की तारीख तय

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त नियुक्ति अधिनियम 2023 के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 21 मार्च को सुनवाई करेगा। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के पैनल से मुख्य न्यायाधीश को हटाने के खिलाफ यह याचिका दायर की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पैनल में मुख्य न्यायाधीश को फिर से शामिल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को नए कानून के तहत दो नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित याचिका भी दायर करने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट में आज इस याचिका पर सुनवाई होनी थी, लेकिन अब याचिका को 21 मार्च को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी चयन समिति में मुख्य न्यायाधीशों (सीजेआई) को शामिल नहीं करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। यह याचिका गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर

डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने दायर की है। एडीआर ने याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा सात की वैधता को चुनौती दी है और इसके अमल पर रोक लगाने की मांग की है। इस धारा के तहत मुख्य न्यायाधीश को चयन समिति से बाहर रखा गया है। संविधान पीठ में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। यह सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को बृहस्पतिवार को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक चयन समिति ने चुना। 14 फरवरी को अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद दो रिक्तियां उत्पन्न हुई थीं। नए कानून के तहत चयन समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और विपक्ष के नेता एवं प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय मंत्री इसके सदस्य होते हैं।

इलेक्टोरल बॉन्ड नंबर जारी न करने पर सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से मांगा जवाब, 18 मार्च तक का दिया समय

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर शीर्ष अदालत को सौंपे गए चुनावी बॉन्ड पर सीलबंद लिफाफे वापस करने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से पूछा कि उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड के नंबर्स क्यों जारी नहीं किए, जिनसे दानदाता और राजनीतिक पार्टियों के बीच का लिंक पता चल सके। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मार्च तक एसबीआई से इस मामले पर जवाब मांगा है। चुनाव आयोग के सीलबंद लिफाफे वापस करने की मांग पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि डाटा को स्कैन और डिजिटलीकरण किया जा रहा है, इसमें एक दिन का समय लग सकता है। जैसे ही पूरा डाटा स्कैन हो जाएगा, तो मूल डाटा को चुनाव आयोग को वापस कर दिया जाएगा। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि एसबीआई की तरफ से कौन पेश हुआ है? एसबीआई ने बॉन्ड नंबर जारी नहीं किए हैं। स्टेट बैंक को इनका खुलासा करना चाहिए। स्टेट बैंक को सारी जानकारी प्रकाशित करनी होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि संविधान पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि एसबीआई को चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी, उन्हें कैश करने वाले राजनीतिक दल की जानकारी, चुनावी बॉन्ड खरीद की तारीख, चुनावी बॉन्ड खरीदने वाले यानी दानदाता की जानकारी और चुनावी बॉन्ड खरीद की तारीख और उन्हें कैश करने की तारीख की पूरी जानकारी देनी थी, लेकिन एसबीआई ने चुनावी बॉन्ड के यूनिक अल्फा न्यूमेरिक नंबर की जानकारी नहीं दी है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को नोटिस जारी कर इस मामले में जवाब मांगा है। एसबीआई को 18 मार्च तक अपना जवाब देना है। चुनावी बॉन्ड के खिलाफ याचिका दायर करने वाले एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कहा कि अदालत ने एसबीआई द्वारा चुनाव आयोग को मुहैया कराई गई जानकारी का मुद्दा उठाया है।

कांशीराम जयंती: केंद्र व राज्यों की सत्ता अपने हाथ में लेने को प्रयासरत रहे बहुजन समाज : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम के 90वें जन्मदिन पर शुक्रवार को श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद अपने संदेश में कहा कि जातिवादी शक्तियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेकों षड़यंत्र से बचते-बचाते बहुजन समाज को केंद्र व राज्यों की सत्ता अपने हाथ मे लेने का चुनावी प्रयास जारी रखना है। तभी यहां सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति आंदोलन की सफलता संभव है। उन्होंने कार्यकताओं से लोकसभा चुनाव को सफल बनाने के लिए जी-जान से जुटने की अपील करते हुए कहा कि सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने के लिए तन, मन, धन की कुबार्नी देना जरूरी है। बहुजन समाज को जातिवादी व धन्नासेठ समर्थक विरोधी पार्टियों की साजिश, दावों और वादों से बचकर चुनाव में सक्रिय रहना जरूरी है, क्योंकि अब इनके भरोसे रहना आत्मघाती होगा। उन्होंने कहा क एससी, एसटी के बाद अब ओबीसी समाज के हित के बारे में भी सरकार द्वारा बातें बहुत होती हैं, लेकिन इनके आरक्षण के बैकलॉग को भी वर्षों से नहीं भरा जा रहा हैं। इससे नीति निर्धारण में बहुजन समाज के

लोगों की भूमिका गौण है। इसको बदलने का चिंतन व चुनावी प्रयास दोनों बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि कांशीराम के सम्मान में बसपा सरकार ने अनेकों स्मारक, स्थल, पार्क, विश्वविद्यालय, कालेज, अस्पताल के साथ नये जिले भी बनाए, जो उनके विरोधियों को कभी अच्छा नहीं लगा। उनकी सरकार बनते ही कई के नाम ही बदल डाले। कांशीराम नगर जिले का नाम बदला गया।

लखनऊ में आईआईएम के पास स्थापित मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू, अरबी, फारसी यूनिवर्सिटी का नाम पहले सपा सरकार ने बदला और फिर भाजपा सरकार ने उसे भाषा विश्वविद्यालय बना दिया। ऐसे जातिवादी, सांप्रदायिक व संकीर्ण सोच वाली पार्टियों व इनके नेताओं से बहुजन समाज का हित व कल्याण की आशा करना रेगिस्तान में पानी तलाशने से कम नहीं है। इसीलिए सावधानी बरतनी जरूरी है।

अखिलेश बोले- वंचितों को अधिकार दिलाने के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया- जन्मदिन पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि दलितों, वंचितों एवं शोषितों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले मान्यवर श्री कांशीराम जी की जयंती पर शत शत नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने की भारत रत्न देने की मांग- इस मौके पर राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के संस्थापक स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी, जो इस देश के करोड़ों-करोड़ों दलितों, वंचितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यको, महिलाओं तथा पिछड़े वर्गों के मान-स्वाभिमान के प्रतीक रहे हैं, ऐसे मसीहा के जन्मदिन के अवसर पर केंद्र सरकार व महामहिम राष्ट्रपति जी से "भारत रत्न" से सम्मानित करने की मांग करता हूं।

सीएए पर 19 मार्च को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सीएए के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने सीएए कानून पर रोक की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। अब सुप्रीम कोर्ट 19 मार्च को आईयूएमएल की याचिका पर सुनवाई करेगा। आईयूएमएल ने याचिका में कहा है कि सीएए कानून असंवैधानिक और मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है। आईयूएमएल का दावा है कि सीएए कानून के प्रावधान मनमाने हैं और सिर्फ धार्मिक पहचान के आधार पर एक वर्ग को अनुचित लाभ देते हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है। आईयूएमएल ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कहा है कि अगर कानून के मुताबिक किसी को नागरिकता दे दी गई तो फिर इसे वापस नहीं लिया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम में कथित गड़बड़ी का दावा करने वाली याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को याचिका खारिज करते हुए कहा कि हर प्रक्रिया के अपने फायदे और अपने नुकसान होते हैं। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि 'अदालत पहले भी ईवीएम के काम से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर चुकी है और कितनी याचिकाओं पर और सुनवाई करनी पड़ेगी? हाल ही में हमने वीवीपैट से संबंधित याचिका पर सुनवाई की थी। हम सिर्फ अनुमान के आधार पर काम नहीं कर सकते। हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते और इसे खारिज करते हैं।' दिल्ली शराब नीति मामले में बीआरएस नेता के कविता की ईडी समन के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च तक सुनवाई टाल दी है। सुप्रीम कोर्ट टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की याचिका पर 19 मार्च को सुनवाई करेगा। अभिषेक बनर्जी ने यह याचिका पश्चिम बंगाल में हुई भर्तियों के मामले में ईडी के समन के खिलाफ दायर की है।

संपादकीय

नशे का नासूर

हाल के दिनों में देश के विभिन्न भागों में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हमारे नीति नियंताओं की गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। ये घातक नशा न केवल युवा पीढ़ी को पथभ्रष्ट करता है बल्कि अपराध की एक अंतहीन शृंखला को भी जन्म देता है। जाहिरा तौर पर नशे के अंतर्राष्ट्रीय सौदागर देश में कानून-व्यवस्था का संकट भी पैदा करना चाहते हैं। यह संकट कितना बड़ा है, वह इस बात से पता चलता है कि एक माह के भीतर भारतीय एजेंसियों ने गुजरात तट पर नशे की एक दूसरी बड़ी खेप बरामद की है। एनसीबी, तटरक्षक बल व गुजरात आतंकरोधी दस्ते के साझे अभियान को तब बड़ी कामयाबी हाथ लगी, जब पोरबंदर तट पर करीब 480 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इसके साथ ही एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के लिये काम करने वाले छह पाकिस्तानियों की गिरफ्तारी भी महत्वपूर्ण है, जिसके जरिये समुद्र मार्ग से हो रही नशीले पदार्थों की बड़ी तस्करी के सूत्र तलाशने में भारतीय एजेंसियों को मदद मिल सकेगी। ज्यादा दिन नहीं हुए जब पिछले महीने ही गुजरात के तट पर एक ईरानी नाव से तैंतीस सौ किलोग्राम नशीले पदार्थ बरामद किये गए थे। गाहे-बगाहे देश के अन्य भागों से भी नशीले पदार्थों की बरामदगी की खबरें मिलती रहती हैं। अकेले गुजरात से ही पिछले दो सालों के दौरान करीब छह हजार करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। इस आंकड़े से इस बात का अहसास किया जा सकता है कि पूरे देश में नशीले पदार्थों की बरामदगी का आंकड़ा कितना बड़ा होगा। यह भी कि देश की युवा पीढ़ी को तबाह करने की कितनी बड़ी साजिश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रची जा रही है। बड़ी बरामदगियों में पाकिस्तान, ईरान व अफगानिस्तान की भूमिका से गहरी साजिश की ओर इशारा मिलता है। निश्चित रूप से ड्रग्स से हासिल रकम का उपयोग पूरी दुनिया में आतंकवाद की जड़ें सींचने में किया जा रहा है। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में ड्रग्स की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। निस्संदेह, देश में जब भी कहीं कोई नशे की बड़ी खेप की बरामदगी होती है आम भारतीय की फिक्र बढ़ जाती है। कल्पना कीजिए कि यदि हाल में बरामद ड्रग्स की खेप भारत में दाखिल होती तो कितने युवा पथभ्रष्ट होते? वहीं देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बड़ी मात्रा में आतंकवाद को सींचने के लिये चली जाती। हमें न केवल बाहर से आने वाली नशे की खेपों पर अंकुश लगाना है, बल्कि उन काली भेड़ों पर भी लगाम कसनी है जो अंतर्राष्ट्रीय तस्करों की मददगार बनी हुई हैं। हमें देश के भीतर नशे सप्लाई करने वाले तंत्र की जड़ों तक भी पहुंचना होगा, अन्यथा हजारों घरों के चिराग असमय काल-कवलित होते रहेंगे। देश के विभिन्न भागों से नशे की ओवर डोज से मरने वाले युवाओं की खबरें अकसर आती रहती हैं। अपनों को खोने वाले परिवारों की पीड़ा को देश के नीति-नियंताओं को समझना होगा। नशे की इस भयावह लत का एक घातक पहलू यह भी है कि यह समाज में कई तरह के अपराधों को भी जन्म देती है। विगत में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि जब महंगे नशीले पदार्थों को खरीदने के लिये युवा अपराध की तंग गलियों में विचरण करने लगते हैं। कई सोने की चेन छीनने की घटनाओं में तमाम ऐसे युवक पकड़े गए हैं जो अच्छे खाते-पीते घरों के थे, कई अच्छे शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत थे। संकट का एक पहलू पड़ोसी देश पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों की भूमिका भी है। जम्मू-कश्मीर व पंजाब में ड्रग मनी का इस्तेमाल आतंकवादियों को हथियार उपलब्ध कराने तथा भारत विरोधी अभियान चलाने में किया जाता है। यहां तक कि सीमा पर सुरक्षा बलों की कड़ी चौकसी के बाद अब ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ सीमावर्ती जिलों में गिराये जा रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल ने ऐसे कई ड्रोन मार भी गिराए जो नशे की खेप लेकर भारतीय सीमा में घुस रहे थे। निश्चित रूप से यह बड़ा संकट है। देश की सुरक्षा के लिए सरकार व उसकी खुफिया एजेंसियों को नियोजित ढंग से नशे के नापाक कारोबार के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोलना होगा।

शंख दिए हैं फूंक!

हैं सदस्य परिवार के ।
पर है हुई लड़ाई ।।
करना दो दो हाथ है ।
राजनीतिक अंगड़ाई ।।
हैं सबके समर्थक ।
अब जाना मैदान ।।
नाक है बचानी ।
दांव लगा सम्मान ।।
अपने अपने दावे ।
सबके इस प्रकार ।।
पार्टी है हमारी ।
हम ही खेवनहार ।।
शंख दिए हैं फूंक ।
कस कमर तैयार ।।
ना जब तक है जीत ।
है तब तक प्रहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सीएए के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान देश हित में नहीं है, कौमी एकता से ही राष्ट्र मजबूत रहेगा

अजय कुमार

भारतीय जनता पार्टी ने 2019 लोकसभा चुनाव के समय अपने घोषणापत्र में किये गये एक और वायदे को पूरा कर लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव की दहलीज पर खड़े देश में आचार संहिता लागू होने से कुछ दिनों पहले सीएए के नियमों को अधिसूचित कर दिया है। बीजेपी इसे मोदी की गारंटी बता रही है। 2019 में बीजेपी ने कुछ जो बड़े वादे किये थे उसमें जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म किया जाना, अयोध्या में रामलला के मंदिर निर्माण में आ रही बाधा को दूर करना, तीन तलाक को खत्म करने का कानून बनाना और अब सीएए को भी अमली जामा पहना दिया गया है। सबसे बड़े वादे की बात की जाये तो समान नागरिक संहिता (एनआरसी) को मोदी सरकार पांच वर्षों तक पूरा नहीं कर पाई। अपवाद के रूप में उत्तराखंड में जरूर यूसीसी लागू हो गया है। मोदी सरकार ने जिस तरह से वायदों को पूरा किया है उसके चलते वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद 2024 के आम चुनाव में काफी कुछ बदला गया है, लेकिन दस सालों में मोदी सरकार मुसलमानों को विश्वास नहीं हासिल कर सकी। भाजपा से मुस्लिम मतदाताओं की दूरी का सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है।

बीजेपी को तमाम चुनावों में करीब 8 प्रतिशत मुसलमानों ने ही वोट दिया, लेकिन सरकार इससे संतुष्ट नजर आ रही है। सरकारी नुमांइदे कहते हैं कि देश में जिस तरह से तुष्टिकरण की सियासत को बढ़ावा दिया गया था, ऐसे में बीजेपी के लिये मुसलमानों का दिल जीतना आसान नहीं है। इसीलिये सीएए जैसे कानून की भी मुसलमानों के बीच मुखालफत होने लगती है, जबकि इसका भारत के किसी भी नागरिक से कोई लेना-देना ही नहीं है। सीएए किसी की नागरिकता लेने के लिये नहीं बल्कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता देने वाला कानून है, जो अपने देशों में अल्पसंख्यक होने के कारण वर्षों से पीड़ित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में जब नागरिकता संशोधन बिल लाया गया तो इसके खिलाफ पूरे देश में आंदोलन हुए थे। तब आंदोलन में शामिल मुस्लिमों का मानना था कि यह कानून भेदभावपूर्ण है। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आने वाले गैर मुस्लिमों को तो नागरिकता देने का प्रावधान है, लेकिन मुसलमानों को यह सुविधा नहीं दी गई है। उनके मन में यह बात घर कर गई कि इस कानून से मुसलमानों की नागरिकता भी खतरे में पड़ सकती है। यही वजह रही कि 2019 के बाद हुए राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी मुसलमानों का पहले वाला वोटिंग पैटर्न कायम रहा। वर्ष 2020 में बिहार के विधानसभा चुनाव में 77 प्रतिशत मुस्लिम वोट महागठबंधन को मिले थे। 2021 के पश्चिम बंगाल के चुनाव में 75 प्रतिशत मुस्लिम वोट तृणमूल कांग्रेस को मिले। वर्ष 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में 79 प्रतिशत मुसलमानों ने सपा को वोट किया। इसकी वजह थी कि ये पार्टियां भाजपा के खिलाफ मुसलमानों को बरगलाने में सफल रही थीं। हालांकि, अब माहौल काफी बदल गया है। अपवाद को छोड़कर तमाम मुस्लिम धर्मगुरु अपनी कौम को यह बता रहे हैं कि वह इस कानून को लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं पालें, क्योंकि इससे किसी मुसलमान का कोई नुकसान नहीं होगा। किसी की नागरिकता नहीं जायेगी, लेकिन ओवैसी जैसे नेता जरूर सीएए के नाम पर मुसलमानों को भड़काने में लगे हैं। सीएए को लेकर अधिसूचना जारी होते ही विपक्षी पार्टियों ने भी मुस्लिमों के मन में उठ रही शंकाओं को मुद्दे का रूप देना शुरू कर दिया है ताकि लोकसभा चुनाव में नफा-नुकसान के लिहाज से अपनी रणनीति तैयार कर सकें। इससे कई लोकसभा सीटों पर गैर बीजेपी पार्टियों को फायदा मिल सकता है। बात उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां करीब 29 लोकसभा सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। यही वजह है कि भाजपा ने पसमांदा मुस्लिम समाज को साधने के लिए दो साल पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। योगी सरकार-टू में पसमांदा समाज के दानिश आजाद अंसारी को राज्यमंत्री बनाया गया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने के साथ विधान परिषद में भेजा गया। यूपी में सहारनपुर, संभल, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, कैराना, बरेली, पीलीभीत, बिजनौर, नगीना, मुजफ्फरनगर, मेरठ, श्रावस्ती, बहराइच, डुमरियागंज, बागपत, बुलंदशहर, अलीगढ़, कैसरगंज, गोंडा, बाराबंकी, बदायूं व आंवला आदि 29 सीटें मुस्लिम बहुल हैं। इतना ही नहीं स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष और सभासद पद पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे। पांच नगर पंचायत अध्यक्ष और 90 सभासद एवं पार्षद चुने गए। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से मोदी सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शुक्रिया मोदी भाई जान अभियान चलाया जा रहा है। वहीं कौमी चौपाल और स्नेह संवाद के जरिये भी मुस्लिमों के बीच मोदी सरकार की उपलब्धियां पहुंचाई जा रही हैं। यूपी में पीएम आवास में से लगभग 19 लाख आवास मुसलमानों को मिले। 2.61 करोड़ मुस्लिमों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। 2 लाख गरीब मुस्लिमों की शादी में आर्थिक मदद दी गई है। आयुष्मान भारत में 28, किसान सम्मान निधि में 22 और शौचालय निर्माण योजना में 23 फीसदी हिस्सेदारी मुस्लिमों की है।

भाजपा के रणनीतिकार मुसलमानों को समझा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों के लिए सऊदी अरब से आग्रह कर न सिर्फ हज का कोटा बढ़वाया, बल्कि उस पर लगने वाली जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। मोदी सरकार ने ही 6 लाख से ज्यादा वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के कागजातों का डिजिटलीकरण करवाने का काम किया है। वहीं सीएए को लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारिणी सदस्य एवं लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने मुसलमानों से कहा कि सीएए पर अधिसूचना जारी होने पर नजरिया पेश करना अभी सही नहीं है। सीएए पर जारी मसौदे के अध्ययन के बाद ही नजरिया पेश किया जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि सीएए को लेकर किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें अमन बनाए रखें।

अखिलेश यादव का 'एमवाई' खेल खराब करेगा मायावती का 'डीएम'

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव बहुजन समाज पार्टी और उसकी सुप्रीमों मायावती के खिलाफ लगातार जहर उगल रहे थे, जिसे बहनजी चुपचाप इकठा करती जा रही थीं, शायद वह सही समय का इंतजार कर रही होंगी। आज भले ही बसपा का जनाधार काफी घट गया है लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि बसपा समाप्त पार्टी बन गई है। मायावती की राजनैतिक सूझबूझ की आज भी कोई बराबरी नहीं है, जिन मायवती का पूर्व सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव से वर्षो तक 36 का आकड़ा रहा, कई बार मुलायम को मायावती ने सियासी मैदान पर धूल चटाई थी,उन मायावती को अखिलेश कभी हल्के में नहीं लेते यदि समाजवादी पार्टी का पुराना इतिहास वह पढ़ लेते। इंडी गठबंधन में बसपा को नहीं शामिल करने के लिये जमीन-आसमान एक किये हुए अखिलेश यादव को मायावती ने उन्हीं की पिच पर पटकनी देने का मन बना लिया है। यह पिच मुस्लिम वोट बैंक की है जिस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को काफी नाज है,लेकिन बसपा ने लोकसभा चुनाव के लिये सात में से पांच सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर समाजवादी पार्टी के एमवाई (मुस्लिम-यादव) वोट बैंक में सेंधमारी की तैयारी कर ली है। बता दें आज भले ही सपा-बसपा में भारी अदावत नजर आ रही हो लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव दोनों मिलकर लड़े थे। 2019 में संसद पहुंचने वाले उसके 10 सांसदों में तीन मुस्लिम थे। इस बार बसपा की रणनीति सपा-कांग्रेस गठबंधन को नुकसान पहुंचाने के संकेत दे रही है। बसपा सुप्रीमों की एक चाल ने सौ सुनार की, एक लुहार की वाली कहावत चरितार्थ कर दी है।

दरअसल, पश्चिमी यूपी की मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर पार्टी ने इसी रणनीति के तहत प्रत्याशियों की घोषणा करनी शुरू कर दी है। अब तक घोषित किए गए उसके सात प्रत्याशियों में से पांच मुस्लिम हैं। हैरानी की बात यह है कि बसपा अपने किसी भी मौजूदा सांसद को टिकट देने के मूड में नहीं दिख रही है। फिलहाल पार्टी के साथ अपनी आस्था जताने वाले बिजनौर से सांसद मलूक नागर की जगह विजेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है। उनका मुकाबला रालोद के चंदन चौहान से होगा। यानी यहां जाट और गुर्जर मैदान में हैं, कांग्रेस-सपा का प्रत्याशी घोषित होना बाकी है। उधर,कांग्रेस के खेमे में जा रहे अमरोहा के सांसद दानिश अली की जगह डॉ. मुजाहिद हुसैन को प्रत्याशी बनाया गया है। सहारनपुर के बसपा सांसद हाजी फजलुर्रहमान को कांग्रेस टिकट दे सकती है, लिहाजा बसपा ने माजिद अली को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। वहीं, पश्चिमी यूपी की मुजफ्फरनगर सीट पर दारा सिंह प्रजापति को बसपा ने प्रत्याशी घोषित किया है। इसी तरह मुरादाबाद में इरफान सैफी को, तो पीलीभीत में अनीस अहमद खां को प्रत्याशी घोषित किया गया है। कन्नौज सीट पर अकील अहमद पट्टा को प्रत्याशी बनाया गया है। इस सीट पर भाजपा के सुब्रत पाठक मैदान में हैं, जबकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के भी यहां से चुनाव लड़ने की चर्चा है, जो उनके लिये खतरे की घंटी से कम नहीं है।

इतना ही नहीं बसपा एनडीए में भी सेंधमारी कर रही है,जिससे लोकदल को बड़ा झटका लगा है। दरअसल रालोद के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी विजेंद्र सिंह ने अचानक से पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले छोड़ कर सबको हैरान कर दिया है। इससे पहले वह लोकदल के प्रसार में जुटे हुए थे। उन्होंने लोकदल को छोड़कर बसपा को ज्वाइन कर लिया है। उन्होंने मंगलवार को बीएसपी में शामिल होने की घोषणा बिजनौर के कार्यकर्ता सम्मेलन में की। इस कार्यकर्ता सम्मलेन में बीएसपी के पश्चिम उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड प्रभारी शमशुद्दीन राइन ने चौधरी विजेंद्र सिंह के बीएसपी की सदस्यता लेने की घोषणा की। मायावती ने चौधरी विजेंद्र सिंह को बिजनौर लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा कि बहन जी सबसे पहले बिजनौर सीट से जीत दर्ज करके संसद पहुंची थी। चौधरी विजेंद्र सिंह ने अपने अस्पतालों व शिक्षण संस्थानों के माध्यम से जनता की सेवा की है। जिसको देखते हुए बहन मायावती ने उन्हें बिजनौर लोकसभा प्रत्याशी बनाने का फैसला लिया है। एक दो दिन में बीएसपी चौधरी विजेंद्र सिंह को बिजनौर सीट से लोकसभा सीट का टिकट देने की घोषणा कर सकती है। बिजनौर के जिलाध्यक्ष दलीप कुमार ने यह जानकारी दी थी कि एक दो दिन में पार्टी प्रमुख बहन मायावती उन्हें लोकसभा टिकट दे देंगी। वहीं चौधरी विजेंद्र सिंह ने कहा कि किसान, मजदूर, गरीब सभी पिछड़ी जातियों समेत शोषित और वंचितों को उनका हक दिलाने का कार्य करेंगे।

चौधरी के बसपा की सदस्यता ग्रहण करने से पहले यहां बीजेपी-आएलडी गठबंधन की जीत पक्की समझी जा रही थी। दोनों ने गठबंधन के तहत रालोद विधायक चंदन चौहान को बिजनौर सीट से प्रत्याशी घोषित किया गया था। चौधरी विजेंद्र सिंह की नजर भी जाट वोटों को साधने की थी, जो कि लोकदल को जीत दिलाने के मकसद से कार्य कर रहे थे। लेकिन भाजपा के साथ गठबंधन के बाद इस सीट का समीकरण बदल जाने के कारण चौधरी विजेंद्र सिंह ने अपनी राह बदल ली और बीएसपी को ज्वाइन कर लिया। अब जब बीएसपी ने चौधरी विजेंद्र सिंह को बिजनौर सीट से प्रत्याशी बना दिया है तो वहां भाजपा-आरएलडी गठबंधन और बीएसपी के बीच चुनावी घमासान होने की संभावना है। कुल मिलाकर मायावती के मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट देने से बसपा को भले ही कोई फायदा न हो लेकिन इससे सपा को जरूर नुकसान हो सकता है। आजमगढ़ लोकसभा सीट के बीते उपचुनाव को देखें तो सपा के प्रत्याशी रहे धर्मेन्द्र यादव को केवल इसीलिए हार का सामना करना पड़ा था क्योंकि उनके सामने बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी गुड्डू जमाली को टिकट मिल गया था। इस उपचुनाव में बीजेपी के प्रत्याशी की जीत हुई थी।अब जरूर जमाली सपा में हैं और पार्टी ने उन्हें विधान परिषद सदस्य के लिये चुन लिया है।

बता दें कई चुनावों में ये देखने को मिलता रहा है कि बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी उतारने से सपा का एम-वाई फामूर्ला कहीं हद तक असफल हो जाता है। बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी सपा की जीत के लिए एक बड़ा रोड़ा बन जाते है। मायावती अपनी रणनीति के अनुसार मुस्लिमों पर फोकस करती रही हैं. वो लगतार ये समझाने का प्रयास करती हैं, कि दलित और मुस्लिम एक साथ आजाएं तो बीजेपी को हराया जा सकता है। पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो बसपा का सिर्फ एक ही प्रत्याशी जीता था। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में बलिया जिले की रसड़ा सीट से उमाशंकर सिंह ने जीत हासिल की थी। अन्य सभी विधानसभा सीटों पर बसपा को हार का सामना करना पड़ा था। अब इस लोकसभा चुनाव में मुस्लिम चेहरों पर मायावती ने एक बार फिर दांव लगाया है। 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में ये देखना दिलचस्प होगा कि मायावती की रणनीति कितनी कामयाब होती है। ऐसा लगता है कि बसपा सुप्रीमों मायावती ने यह तय कर लिया है कि समाजवादी पार्टी के एमवाई(मुस्लिम-यादव) वोटबैंक को धाराशायी करने के लिये उन्हें डीएम (दलित-मुस्लिम) को मजबूत करना ही पड़ेगा।

सीएए का विरोध करने वाले लोग मानवता के विरोधी प्रतीत हो रहे हैं

डॉ. आशीष वशिष्ट

बीते दिनों नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए देश में लागू हो गया है। इस कानून की प्रतीक्षा लंबे समय से थी। 2019 में मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम संसद से पास किया था। जनवरी 2020 में राष्ट्रपति की मुहर लगने के साथ यह कानून अस्तित्व में आ गया था। सीएए को लेकर देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुआ था। केंद्र सरकार ने देशभर में एनआरसी लागू करने की बात कही थी। एनआरसी के तहत भारत के नागरिकों का वैध दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्रेशन होना था। सीएए के साथ एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता खत्म करने के रूप में देखा गया था।

इस कानून को लागू किए जाने को लेकर एक तरफ खुशी का माहौल है तो दूसरी ओर विरोध के स्वर भी सुनाई दे रहे हैं। खुशी उन लोगों को है जो बरसों से भारत की नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे थे। इस कानून के लागू होने के बाद उनकी दशकों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। विरोध करने वाली जमात में मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल और स्वयंसेवी संगठन हैं। राजनीतिक दल व संगठन इसे पूर्व की भांति तरह अल्पसंख्यक विरोधी बता रहे हैं, वहीं इसे राजनीतिक दांव भी बता रहे हैं।

सीएए लागू होने के बाद विपक्षी दल इस कानून को लेकर देशवासियों को खासकर मुस्लिम समुदाय को भ्रमित कर रहे हैं। असल में, आजादी के बाद से ही अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों की समूची मानसिकता राजनीतिक दलों और उनके संरक्षक बनने का दावा करने वाले स्वयंसेवी संगठनों के ही समझ के अनुसार चलती रही है। सीएए के खिलाफ उठे देशव्यापी विवाद को भी इसी श्रेणी में रखा जा सकता है। विपक्ष अपने बयानों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय को यह संदेश दे रहा है कि इस कानून से उनकी नागरिकता संकट में पड़ जाएगी। सरकार और जिम्मेदार पदों पर आसीन लोग इस कानून से जुड़ी तमाम आशंकाओं को दूर कर रहे हैं। लेकिन, विपक्ष मुस्लिम समुदाय को गलत जानकारी देकर उपद्रव और हिंसक प्रदर्शनों के लिए परोक्ष रूप से उकसाता दिखाई दे रहा है। 2020 में विपक्ष ने परोक्ष रूप से कानून के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों और उपद्रव में सहायता की थी। ये खुला तथ्य है। नागरिकता संशोधन नियम लागू होने के बाद अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में आए थे, उन्हें भारतीय नागरिकता बिना वैध पासपोर्ट और भारत के वीजा के बिना मिल सकती है। दरअसल, ये लोग उन देशों में अल्पसंख्यक हैं। जाने किस त्रास या संकट में उन्हें उन देशों को छोड़ कर आना पड़ा। यहां के नागरिक न होते हुए भी दिक्कतों, मुसीबतों को गले लगाकर यहां जीवन बिताना पड़ रहा है। इसलिए इन सबको नागरिकता देकर यहां यानी भारत में सम्मान दिए जाने के इरादे से यह कानून लाया गया है। ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो विपक्ष इसका विरोध क्यों कर रहा है?

विपक्ष का कहना है कि इस कानून में खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है। इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है। जहां तक विपक्ष के विरोध का सवाल है उसका कहना है कि इस कानून में मुस्लिमों को वंचित क्यों रखा गया? यह समानता के कानून का उपहास उड़ाने की तरह है। सरकार का कहना है कि जिन देशों के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया जा रहा है, वहां मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं। इसलिए उन्हें इस देश में यानी भारत में नागरिकता देने का कोई मतलब नहीं है। वो उनके देश हैं, वे वहां खुशी से रहें। भारत सरकार वंचितों की मदद करना चाहती है, इसलिए इन तीनों देशों के वे गैर मुस्लिम नागरिक जो वर्षों पहले यहां आ गए थे उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। इसमें गलत क्या है? लेकिन अब विपक्ष के इस विरोध की सच्चाई और इसके पीछे छिपी कुत्सित इरादे देशवासियों को समझ आने लगे हैं।

यह कानून किसी की नागरिकता का हनन नहीं कर रहा बल्कि वंचितों को कानूनन अधिकार दे रहा है। यह अधिनियम किसी को बुलाकर भी नागरिकता नहीं दे रहा बल्कि जिन्होंने 31 दिसंबर 2014 तक भारत में प्रवेश कर लिया वे ही भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम बड़े मंत्री और जिम्मेदार लोग इस बात को कई बार कह चुके हैं कि सीएए नागरिकता देने का कानून है, किसी की नागरिकता छीनने का नहीं। असल में, मोदी सरकार के दस सालों के कार्यकाल में देष में बड़े परिवर्तन और काम हुए हैं। देश की जनता का भरोसा मोदी की गारंटी पर है। दस साल के कार्यकाल के बाद भी पीएम मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। मोदी सरकार की लोकप्रियता और देशवासियों के उसके प्रति विश्वास से विपक्ष में बेचैनी का माहौल है। ऐसे में कुंठित और मुद्दा विहीन विपक्ष जात पात की राजनीति और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा किसी मुद्दे की तलाश में रहता है। चार साल पहले सीएए कानून बनने के बाद पर्दे के पीछे रहकर विपक्ष दलों ने मुस्लिम समुदाय को भ्रमित कर भड़काया था। नतीजतन देष में अशांति और भय का माहौल बना। हिंसक प्रदर्शनों में जान माल का नुकसान हुआ। आज भी विपक्ष चार साल पहले वाला माहौल बनाना चाहता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बार-बार कह रही हैं कि वे पश्चिम बंगाल में सीएए को लागू नहीं होने देंगी। हालांकि संसद के पारित कानून को लागू न करने देना अवैधानिक ही माना जाएगा।

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने 23.96 करोड़ से अधिक धनराशि की 54 निर्माण परियोजनाओं का किया शिलान्यास

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने गुलाब बाग स्थित कैंप कार्यालय पर विधानसभा क्षेत्र उत्तरी में पूर्वांचल निधि, विकास निधि, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, डूडा आदि विभागों के लगभग 23.96 करोड़ से अधिक धनराशि की 54 निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास किया इस अवसर पर उन्होंने 1.96 करोड़ से विधान सभा क्षेत्र में बनने वाले ओपन जीम का भी शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यों में 5.95 करोड़ लागत पूर्वांचल एवं विधायक निधि,15वें वित्त आयोग से 12.67 करोड़,नगरीय विकास अभिकरण डूडा के 5.34 करोड़ के 54 कार्यों सहित अन्य कार्य सम्मिलित है 104 कालोनियों में ओपन जिम स्थापित होगे। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा आज जिन निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है वह सभी सीधे - सीधे जनता की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी है इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से इसका लाभ लोगों को मिलेगा` मंत्री ने मौके पर मौजूद कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं का आज शिलान्यास हो गया है उनका निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर समय से गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्तरी विधानसभा के संयोजक अरविंद सिंह, पार्षद संजय जायसवाल, संदीप रघुवंशी, सुजीत गुप्ता, अरविंद जायसवाल एवं अन्य अन्य लोग उपस्थित रहे।

कक्षा 5 के छात्र की हत्या कर शव जलकुंभी से ढका मिला, तीन के ऊपर हत्या का आरोप

जौनपुर खेतासराय। शुक्रवार को थाना खेतासराय क्षेत्र के गांव मानी कलाँ निवासी कक्षा 5 के छात्र का शव समीपवर्ती गांव के श्मशान घाट के नाले मे मिलने से सनसनी फैल गई ।पुलिस ने नामजद आरोपियों की निशानदेही पर छात्र के शव को बरामद कर पी एम के लिए भेज दिया है। छात्र की मां ने तीन नामजद आरोपियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है । जानकारी के अनुसार सूरज बिंद 14 पुत्र ओमप्रकाश बिंद उर्फ भोनू गांव के प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 5 का छात्र था। 12 मार्च को शाम घर से गांव निवासी कुलदीप बिंद की बारात जाने के लिए कह कर निकला था ।लेकिन दूसरे दिन नही लौटा तो पता चला की वह बारात नहीं गया था। तभी से परिजन सूरज बिंद की खोजबीन कर रहे थे। पुलिस को भी छात्र के गुमशुदगी की सूचना दी गई थीं।पुलिस गांव मे छात्र के साथ देखे गए संदिग्ध आरोपियों से पूछताछ कर रही थी उन्हीं संदिग्ध युवकों की निशानदेही पर शुक्रवार को सूरज बिंद का शव क्षेत्र के फरीदपुर गांव के श्मशान घाट के पास नाले मे मिट्टी के नीचे दबा कर ऊपर से जलकुम्भी रखकर ढका हुआ मिला। शव मिलने से कोहराम मच गया ,माँ गुडडी देवी का रो रो कर बुरा हाल है।पिता ओमप्रकाश बिंद उर्फ भोनू रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई में है।चार भाई बहनों में सूरज सबसे

बड़ा था। मृतक सूरज की नंदिनी तथा सीता दो छोटी बहनें व सबसे छोटा भाई आर्यन है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह ने बताया मृतक छात्र सूरज बिंद का शव आरोपियों की निशानदेही पर बरामद किया गया है। मृतक छात्र की माता की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अग्रिम विधिक कारवाई अंत्य परीक्षण सूचना आने के बाद की जाएगी।

भदोही: ग्रामीणों ने उठाया हाथों में बैनर 'रेलवे फाटक नहीं तो वोट नहीं'

भदोही। उत्तर प्रदेश के जनपद भदोही के उत्तरी -पश्चिमी सीमा पर स्थित तकरीबन दर्जन भर गांव वाराणसी-लखनऊ रेल प्रखंड के मध्य रेल समापर न होने से एक दूसरे से कटे हैं। सालों से उनकी मांग पर विचार नहीं किया जा रहा। विरोध में ग्रमीण अपनी मांगों को लेकर वोट का बहिष्कार करेंगे। रेलवे ट्रैक के पास वैनर के साथ ग्रामीणों ने इसका विरोध भी किया है। कई गांव के मध्य से रेलवे लाइन गुजरने से ग्रामीणों की समस्या बढ़ गई है। ग्रामीण लंबे समय से रेल समापर के निर्माण को लेकर माँग करते आ रहें हैं। शुक्रवार को जहाँ ग्रामीणों ने भदोही जिलाधिकारी को अपनी मांगों का पत्रक सौंपा वहीं गाँव से गुजर रहे रेलवे ट्रैक के पास 'रेल समपार नहीं तो वोट नहीं' के वैनर के साथ प्रदर्शन भी किया। भदोही जिला मुख्यालय से तकरीबन 25 किलोमीटर उत्तर पश्चिम दिशा में स्थित सरांयकंसराय, रामनगर हरदुआ जोगापुर, भौथर, अर्जुनपुर, गोपीपुर, सेमरा, गौरा, गंगारामपुर, हरिकरनपुर, छनौरा, दुगार्गंज, हरीपुर, अभिया, निदिऊरा, पूरेमनोहर, पूरेदरियाव, पूरेखुशहाल, कीर्तिपुर, चकजीतराय जहाँ प्रभावित हैं। वहीं दूसरी तरफ जौनपुर जनपद के सीमावर्ती गाँव कवियाचक, कमासीन, पांडेयपुर, कसेरवां, बसेरवा, बड़ईयां समेत दूसरे गाँव प्रभावित हैं। मांगलिक कार्यक्रम और दूसरे समारोह में लोग एक दूसरे गांवों में जाते हैं लेकिन समपार की समस्या को देखते हुए लोग जा नहीं पाते। कई गांव रेलवे के दोनो तरफ बसे हुए हैं। इन्हीं गांव से होकर वाराणसी-लखनऊ रेल प्रखंड गुजरता है। जिसकी वजह से तकरीबन 25 हजार आबादी प्रभावित है। इसके पहले सिंगल रेलवे ट्रैक था लेकिन अब डबल ट्रैक होने से यह समस्या काफी गंभीर हो गई है। भदोही जनपद और जौनपुर की सीमा भी रेलवे लाइन से सटी हुई है। तकरीबन दर्जन भर

गांवों का एक दूसरे के गांव में आना जाना है और खेती-बाड़ी भी है। जिसकी वजह से अब तक अनगिनत रेल हादसे हो चुके है। कई निर्दोष ग्रामीणों को अपनी जान गंवाना पड़ा है। स्कूल, कॉलेज अस्पताल, न्यायालय जिला मुख्यालय जाने के लिए डबल रेल ट्रैक को पार करना पड़ता है। रेलवे ट्रैक अत्यधिक व्यस्त होने के चलते लोगों की जान जोखिम में रहती है। ग्राम पंचायत सरांयकंसराय के ग्राम प्रधान नन्दलाल मिश्रा का कहना है कि लम्बे समय से चली आ रहीं ग्रामीणों की मांग को भदोही के जनप्रतिनिधियों ने कोई तवज्जो नहीं दिया। ग्रामीणों की खेती बाड़ी रेलवे लाइन के दोनों तरफ है। विभिन्न कार्यक्रमों में एक दूसरे के गांव में जाना-आना पड़ता है। दिन भर में कई बार ग्रामीणों को रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। स्कूली बच्चे भी इसी रेलवे ट्रैक पर जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। वृद्ध महिलाएं और बच्चे भी इसी तरह रेलवे ट्रैक पार करते हैं। जिला मुख्यालय ज्ञानपुर, ब्लॉक मुख्यालय, अस्पताल बाजार, थाना दुगार्गंज जाने के लिए हर हालत में रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। पहले सिंगल रेलवे ट्रैक था लेकिन अब डबल रेलवे ट्रैक हो जाने से ट्रेनों का आवागमन अधिक हो गया है। जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। अब तक कई लोग रेलवे की चपेट में आने से जान गवा चुके हैं। हम लोग भदोही जिलाधिकारी को शुक्रवार को ज्ञापन भी सौंपा है। आसपास के दर्जन भर गांव कई सालों से यहां रेलवे संपर्क की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक रेलवे प्रशासन ने इस पर गौर नहीं किया है। इसको लेकर ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का निर्णय लिया है। जब तक रेल संपर्क का निर्माण नहीं होता है हमारे गांव और आसपास के गांव के लोग वोट का बहिष्कार करेंगे। रामनगर गांव के निवासी एवं मुंबई में व्यवसायी बृजेश पांडेय ने बताया कि रेल फाटक न होने से एक दर्जन गांवों के लोगों को काफी समस्या हो रही है। 500 मीटर की दूरी तय करने में हम लोगों को 15 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। मांगलिक और अन्य कार्यक्रम में एक दूसरे गांव के लोग एक दूसरे गांव में जाने के लिए परेशान हो रहे हैं। लंबे समय से ग्रामीणों की तरफ से रेल समापर की मांग की जा रहे लेकिन भदोही के नेताओं की तरफ से कोई संतोष जनक जवाब अब तक नहीं मिल सका है। जिसके कारण गांव के लोगों ने वोट बहिष्कार का मन बनाया है। रेल मंत्री जी को इस मामले पर ग्रामीणों की बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सुरियावां और सरांयकंसराय रेलवे स्टेशन के मध्य 12 किलोमीटर की दूरी है। इस दौरान सिर्फ पट्टीवेजांव गाँव में अथक प्रयास के बाद ही एक रेल संपर्क बन पाया है। सरांयकंसराय में एक और रेल समपार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। समापर न होने आसपास के गांवों की समस्या बढ़ गई है।

पीजी कालेज रहा प्रदेश स्तरीय रोवर्स रेंजर्स प्रतियोगिता में चैम्पियन, टीम का हुआ अभिनन्दन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रादेशिक रोवर्स रेंजर्स समागम 24 में पीजी कालेज, गाजीपुर की टीम उत्तर प्रदेश चैम्पियन बनी है। प्राचार्य प्रोफसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि यह समागम दिगम्बर जैन कालेज, बडौत, बागपत में दिनांक 11 से 13 मार्च 2024 को आयोजित हुआ था, जिसमें स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की टीम ने वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। पीजी कालेज की टीम समागम में शुरू से ही अपना वर्चस्व बनायें रखा। अलग-अलग प्रतियोगिताओं में जैसे टेण्ट प्रतियोगिता, पुल प्रतियोगिता, फायर फाइटिंग, रोल प्ले, ध्वज शिष्टाचार झॉकी, लोक गीत, लोक नृत्य, किम्स गेम, ध्वज शिष्टाचार इत्यादि में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने टीम की इस जीत पर सभी रोवर्स रेंजर्स को महाविद्यालय को पुनः प्रदेश चैम्पियन बनने पर सभी को बधाई दी और कहा कि महाविद्यालय परिवार के लिए

गौरवशाली क्षण है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की यह दोनों टीमें रोवर्स एवं रेंजर्स जनपदीय तथा विश्वविद्यालय स्तर के सत्र 2024 के समागम में भी प्रथम स्थान पर रह कर विजेता रही हैं। लगातार कई वर्षों से प्रदेश चैम्पियन हो रही है।

रोवर्स एवं रेंजर्स की प्रदेश चैम्पियन टीम के गाजीपुर आगमन पर महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य द्वारा रोवर्स एवं रेंजर्स टीम के साथ-साथ डॉ० मनोज कुमार मिश्र जिला प्रशिक्षण आयुक्त, वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर व प्रभारी रोवर्स एवं रेंजर्स, डॉ० अतुल कुमार सिंह एवं अशोक कुमार सिंह को इस जीत पर गर्मजोशी के साथ बधाई देते हुए अभिनन्दन किया गया। अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले, श्री दिनेश सिंह यादव, जिला संगठन कमिश्नर गाजीपुर, कुमार प्रमोद कुमार यादव, इनामुल्लाह अंसारी को भी बधाई दिया। इस अवसर पर बधाई देने वालों में प्रोफे० एस० डी० सिंह परिहार, प्रोफेसर जी०सिंह, प्रोफेसर एस० एन० सिंह, प्रोफेसर अरुण कुमार यादव, लव जी सिंह, अशोक कुमार सिंह, डॉ० मनोज कुमार मिश्र, डॉ० अतुल कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की गयी आहूत विभिन्न योजनाओं के प्रगति के बारे में ली गयी जानकारी

मीरजापुर। केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहूत की गयी। बैठक में मा0 सांसद राज्यसभा श्री रामसकल, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, मा0 विधायक नगर, मझवा के प्रतिनिधिगण दिशा समिति के सदस्य हरि शंकर सिंह, सभी ब्लाक प्रमुखगण के अलावा जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, एवं अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), एन0आर0एल0एम0, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व शहरी, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण व शहरी, ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, डिजिटल भारत भू अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, राष्ट्रीय विरासत शहर विकास एवं वृद्धि योजना, अटल मिशन फार रिजुवेनेंशन एण्ड अर्बन ट्रांसफार्मेशन योजना, स्मार्ट सिटी योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान योजना, समेकित बाल विकास योजना, मिड डे मील प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, कौशल विकास योजना, डिजिटल इंडिया पब्लिक इंटरनेट एक्सप्रेस प्रोग्राम, टेलीकाम, रेलवेज, हाईवेज, वाटरवेज माइंस आदि जैसे अवसंरचना सम्बन्धी कार्यक्रम, प्रधानमंत्री खजिन क्षेत्र कल्याण, समेकित विद्युत विकास योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परपम्परागत कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं, खाद्य सुरक्षा कार्यवयन सहित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान कार्ड सहित सभी बिन्दुओं पर बिन्दुवार जानकारी ली गयी।

बैठक में विगत अनुपालन आख्या की समीक्षा मा0 केन्द्रीय मंत्री जी द्वारा किया गया। तत्पश्चात बैठक में बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये मा0 केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना है योजनान्तर्गत बेटियों के जन्म के प्रति आम जन में जागरूकता लायी जाय तथा बेटे व बेटी में समानता लाते हुये बेटियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाय। उन्होने कहा कि योजना का नुक्कड़ नाटक व अन्य माध्यमो के द्वारा गांव में वृहद प्रचार प्रसार कराया जाय। अब तक किये गये कार्यो की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की गयी।

टीबी रोगियों को मिलेगी डीबीटी के जरिये निक्षय पोषण योजना की राशि अब दो किश्तों में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी रोगियों के उपचार और उसके अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना को सुदृढ़ीकरण करने के लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एक दिवसीय डीबीटी एवं रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सीएमओ डॉ देश दीपक पाल की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यशाला में एनटीईपी के समस्त लेखाकर, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर एवं सीनियर टीबी लैब सुपरवाइजर को डीबीटी की समस्त योजनाओं जैसे इनफारमेंट इन्सेन्टिव स्कीम, ट्रीटमेंट सपोर्टर फार टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी, सैम्पल ट्रान्सपोर्टर और रिफ्रेशर प्रशिक्षण के अंतर्गत निक्षय पोषण योजना, ट्रीटमेंट सपोर्टर, प्राइवेट नोटीफिकेशन एवं आउटकम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समस्त प्रतिभागियों को जिला क्षय

रोग अधिकारी डॉ संजय कुमार के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिथलेश कुमार और डब्ल्यूएचओ से डॉ वीजी विनोद के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सीएमओ डॉ देश दीपक पाल ने कहा कि क्षय मुक्त भारत को लेकर देश के प्रधानमंत्री का विजन तभी पूरा हो सकता है जब किसी भी टीबी रोगी का नोटिफिकेशन न छूटे और उन्हें निक्षय पोषण योजना के तहत मिलने वाली धनराशि समय से प्रदान की जाए। साथ ही क्षय रोगी नियमित दवा और प्रोटीन युक्त पौष्टिक आहार का सेवन करें। टीबी के सम्पूर्ण उपचार के लिए उसका कोर्स का पूरा होना बहुत जरूरी है। कई टीबी रोगी बीच में ही इलाज छोड़ देते हैं या फिर बदल-बदल कर इलाज करते हैं जिससे उनकी स्थिति बिगड़ जाती और कई बार बीमारी बहुत गंभीर स्थिति में पहुँच जाती है। टीबी मरीजों की एचआईवी और डायबिटीज की भी नियमित जांच की जानी चाहिए। सीएमओ ने समस्त निजी चिकित्सकों से अपील की है कि क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिक से अधिक टीबी रोगियों को नोटिफाई कर उनका तत्काल प्रभाव से उपचार पूरा करने में सहयोग करें।

जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिथलेश कुमार ने बताया कि टीबी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत पौष्टिक आहार के लिए उपचार के दौरान छह माह हर महीने मिलने वाली राशि अब पांच की जगह दो किश्तों में मिलेगी। टीबी से पीड़ित व्यक्ति को उपचार शुरू होने पर दी जाने वाली पहली लाभ राशि को 1500 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद दूसरा लाभ उपचार शुरू होने की तारीख से 84 दिन यानी उपचार के तीन महीने पूरे होने पर 1500 रुपये मिलेगा। यह व्यवस्था जनवरी 2024 से लागू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 5572 टीबी मरीज चिन्हित हुए, जिसमें 4924 (88%) रोगियों का उपचार पूरा हो चुका है। वर्तमान में 2914 रोगियों का उपचार चल रहा है। साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत 6407 टीबी रोगियों का डीबीटी के जरिये भुगतान किया जा रहा है।

कार्यशाला में बताया गया कि इनफारमेंट इन्सेन्टिव स्कीम के अंतर्गत किसी के द्वारा टीबी मरीज की सूचना दिये जाने पर उस व्यक्ति को 500 रुपये डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में भेजे जाते हैं। ट्रीटमेंट सपोर्टर के रूप में कार्य कर रहीं आशा कार्यकर्तों को डीएसटीबी के मरीज का उपचार पूरा कराने में 1000 रुपये और डीआरटीबी मरीज का उपचार पूरा कराने में 5000 रुपये डीबीटी के जरिये भेजे जाते हैं। इसके साथ सैंपल ट्रांसपोर्टर के रूप में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से टीबी सैंपल के अनुसार भुगतान डीबीटी के जरिये किया जाता है। इसके साथ ही निजी चिकित्सकों द्वारा एक टीबी मरीज के नोटिफिकेशन पर 500 रुपये और उसका उपचार पूरा कराने पर 500 रुपये डीबीटी के जरिये भेजे जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिजली साट सर्किट से लगी आग 70 हजार नगदी सहित हजारों का सामान जला

प्रखर चंदवक जौनपुर। क्षेत्र के हरिहरपुर (बाबा का वन) मे शुक्रवार दोपहर बिजली साट सर्किट से दो मड़हे आग लगने से 70 हजार नगदी सहित हजारों का सामान जलकर खाक हो गया। पुष्पा निषाद पत्नी विनय निषाद पक्का मकान न होने से मड़हे मे अपना और परिवार का जीवन यापन करती थी शुक्रवार दोपहर बिजली के तार से समर सेबल के स्टार्टर में साट सर्किट होने से दो मड़हे में आग लग गई। आग बुझाने के लिए परिजन व ग्रामीणों ने काफी मशक्कत से बाल्टी, बाल्टी पानी डालकर आग पर काबू पाया मड़हे मे रखा अटैची में 50 हजार नगद समूह से पुष्पा देवी ने बिजली का बिल जमा करने के लिए उठाया था।उनकी मां केवला देवी आँख के ऑपरेशन के लिए 20 हजार नगद दूसरे मड़हे रखा था आग इतनी विकराल थी की गृहस्थी का सारा सामान गेहूं, चावल, तेल, कपड़ा, चारपाई, पलंग सहित हजारों का सामान जलकर खाक हो गया। जिसकी सूचना राजस्व विभाग को दे दी गई है।

जरूरत मंद की सेवा के लिए तैयार रहते थे सीताराम सेठ

महराजगंज (जौनपुर)।समाज सेवी सीताराम सेठ की गुरूवार दशवी पुण्य तिथि मनाई गई ।सपा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, ने कहा कि सीताराम सेठ समाज सेवी के साथ-साथ गरीबों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे ।जिनका पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव के साथ गहरा रिश्ता था मुंबई के उद्योग पति थे जो हजारों लोगों को रोजगार दिये ।पूर्व गृह मंत्री महाराष्ट्र कृपा शंकर सिंह उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया और कहा सीता राम सेठ जी यदुवंशी और रघुवंशी के प्रतीक थे इस दौरान कथा वाचक स्वामी परमहंस जी महाराज ने कहा साधना सत्संग और मनुष्य कर्म से महान बनता है ।परमात्मा मनुष्य के हृदय में विद्यमान है आयोजक सीता राम सेठ के ज्येष्ठ पुत्र अजय सेठ द्वारा 250 जरूरत मंद लोगो को वस्त्र वितरीत किया गया ।मौके पर वरिष्ठ नेता लाल रत्नाकर यादव, राजन यादव, एडवोकेट समर बहादुर यादव,डॉ रामयश यादव,दीना नाथ सिंह,राजाराम सेठ,क्षेत्र पंचायत सुरेंद्र कुमार,केसरी प्रसाद,विनय कुमार सहित लोग रहे ।

एनसीसी कैडेट छात्र के निधन पर शोकसभा

बदलापुर (जौनपुर)।सल्तनत बहादुर महाविद्यालय के एन सी सी कैडेट छात्र अनुराग बिन्द का बुद्धवार को रात में असामयिक निधन हो गया ।वह २१ वर्ष का था। गुरूवार को शोकसमा का आयोजन किया गया ।शोक सभा में शिक्षक , छात्र सभी ने नम आंखों से श्रृद्धांजलि अर्पित किया।वह स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर का छात्र व एन.सी.सी कैडेट था। छात्र के निधन की सूचना महाविद्यालय परिवार को प्राप्त हुई तो शोक व्याप्त हो गया। शोक सभा करके दुःख प्रकट किया गया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. सुनील प्रताप सिंह,पूर्व प्राचार्य प्रो. ब्रजेंद्र सिंह, प्रो.धीरेन्द्र पटेल,डॉ.ओम प्रकाश दुबे,डॉ.कर्मचन्द यादव, डॉ.बृजेश मिश्रा, डॉ.संतोष सिंह, डॉ.अमित साहू, राजुल सिंह, राघवेंद्र सिंह, प्रसून सिंह, प्रशांत सिंह, डॉ.अशेष उपाध्याय, डॉ.हरिश्चन्द्र सिंह, विजय, रामजीत यादव सहित शोक सभा में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

एसडीएम पर जनता दर्शन में उपस्थित न होने का आरोप अधिवक्ता आक्रोशित

बदलापुर (जौनपुर)। उपजिलाधिकारी पर जनता दर्शन पर न बैठने का आरोप लगाते हुए अधिवक्ता संघ खासा आक्रोशित है। गुरुवार को बैठक कर अधिवक्ताओं ने एसडीएम अंकित कुमार के प्रति निन्दा प्रस्ताव पारित करते हुए न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि एसडीएम निर्धारित जनता दर्शन पर उपस्थित नहीं। रहते हैं। परिणामस्वरूप पीड़ित शिकायतों का निस्तारण न होने से परेशान हैं। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने किया। इस मौके पर विनोद कुमार सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह , भानु प्रताप सिंह, हरी लाल पाल, हीरालाल यादव,योगेश त्रिगुनायत,उदधि पाठक,मनोज कुमार पाण्डेय, मुन्ना लाल यादव, संजय मिश्रा आदि लोग मौजूद थे।

अन्दीपुर पुलिया से पुलिस ने अवैध देशी तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सिंगरामऊ (जौनपुर)।पुलिस अधीक्षक डा अजय पाल शर्मा के निर्देश पर अपराध एंव अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सिंगरामऊ पुलिस टीम गश्त के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर सोनचिरईया अन्दीपुर पुलिया से एक अभि0 फैयाज उर्फ कालू पुत्र स्व0 हदीश उर्फ जुगुर निवासी ग्राम मल्लूपुर थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर के कब्जे से एक देशी तमंचा 32 बोर मय 01 जिन्दा कारतूस 32 बोर की बरामदगी करते हुए सुबह गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही का जा रही है।

सपा मुखिया पर क्षेत्रीय जन भावना का अनादर करने का लगाया आरोप

चहनियां।आगामी लोक सभा चुनाव में सपा द्वारा घोषित प्रत्याशी को लेकर मारूफपुर में गुरुवार को सपा जनों ने एक बैठक कर नाराजगी व्यक्त किया साथ ही सपा मुखिया पर क्षेत्रीय जन भावना का अनादर करने का आरोप लगाया। मारूफपुर में आयोजित सपा जनों की बैठक में पूर्व प्रमुख लालता यादव ने कहा कि चंदौली लोकसभा के लिये घोषित प्रत्याशी कई दलों से आये गये है। उनका पार्टी के प्रति समर्पण और निष्ठा कब डोल जाएगी निश्चित नहीं है जैसा कि अभी राज्यसभा के चुनाव के दौरान पार्टी के साथ हो चुका है। पूर्व सांसद रामकिशुन सहित पार्टी के निष्ठांवान कार्यकर्त्ता है जिन्हे पार्टी मौका देकर कार्यकत्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए जीत अपनी झोली में डाल सकती थी। जिला पंचायत के पूर्व सदस्य चन्द्रमा सिंह यादव ने कहा कि पार्टी मुखिया को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए पूर्व सांसद रामकिशुन जी को मौका देकर क्षेत्रीय जन भावना का आदर करना चाहिए। बैठक में मौजूद पूर्व सांसद रामकिशुन यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकत्ताओं का निर्णय ही हमारा निर्णय होगा। कार्यकत्ताओं से विचार विमर्श के बाद ही आगे कोई निर्णय लिया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से श्रवण यादव, चन्द्रमा यादव, बलवंत यादव, बेनी यादव, यशवंत यादव, रत्नेश यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता रामबहादुर यादव व संचालन श्याम नारायण यादव ने किया।

स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम आयोजन किया गया

सकलडीहा। क्षेत्र के पन्नो देवी शिक्षण संस्थान महाविद्यालय लखमीपुर के प्रांगण में गुरुवार को स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चेयरमैन सोनू किन्नर ने बीए तृतीय वर्ष के 135 छात्र छात्राओं को शासन के निर्देश पर स्मार्टफोन वितरित किया। मुख्य अतिथि सोनू किन्नर ने कहा कि शासन का मुख्य उद्देश्य स्मार्टफोन वितरण का है कि आधुनिक युग में कंप्यूटरकृत शिक्षा का बहुत ही बड़ा महत्व है। बहुत से गरीब परिवार के छात्र-छात्राएं पैसे के अभाव में स्मार्टफोन या कंप्यूटर खरीदने में अक्षम होते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा स्मार्ट फोन का वितरण किया जा रहा है। अगर छात्र-छात्राएं इसका सदुपयोग करें तो देश और दुनिया की सभी उत्तर इसमें मिल जाएंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से सभासद पारस नाथ यादव,प्रबंधक प्रेम प्रकाश प्रधानाचार्य डॉ कुलदीप, सुदामा यादव सहित सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे।

बोर्ड की बैठक में 22 करोड़ का बजट पास

शाहगंज (जौनपुर)। नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक बुधवार को पालिका की अध्यक्ष रचना सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष में होने वाले विकास कार्यो के लिए 22 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया। बोर्ड की बैठक में उपस्थित सभासदों से इनके क्षेत्र में कराए जाने वाले कार्यो का विवरण मांगा गया। वार्डों के सभासदों ने नाली, खड़ंजा, सीसी रोड और साफ-सफाई का मुद्दा प्रमुखता के साथ उठाया। बैठक में चेयरमैन ने सभासदों की मांगों को पूरा करने का भरोसा दिलाया। बैठक का संचालन अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी ने किया।अंत में चेयरमैन रचना सिंह और प्रतिनिधि वीरेन्द्र सिंह बंटी ने सहयोग के लिए सभासदों का आभार व्यक्त किया।

गोरम घाट को कहा जाता है राजस्थान का कश्मीर, प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है ये जगह

राजस्थान अपने राजसी ठाठ-बाट के अलावा अपनी संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। हांलाकि राजस्थाने के महलों और किलों में घूमने के लिए सबसे अच्छा सर्दी का महीना माना जाता है। सर्दियों में आप आराम से घूम-फिर सकते हैं। राजस्थान में मार्च महीने से ही भयंकर गर्मी पड़ने लगती है। ऐसे में अगर आप जॉब में है और कई बार आपको वीकेंड पर भी ऑफिस का काम करना पड़ता है। साथ ही आप ऑफिस से लंबी छुट्टी नहीं ले पा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप सिर्फ 2 दिन की छुट्टी में कई जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। अगर आप भी सिर्फ 2 दिन के लिए घूमने जाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान में मारवाड़ और मेवाड़ के बीच अरावली की खूबसूरत वादियों में बसे खूबसूरत गोरम घाट के बारे में बताना जा रहे हैं। गोरम घाट को देखने के बाद आपको कश्मीर में होने का एहसास होगा। इस वजह से इस जगह को राजस्थान का कश्मीर भी कहा जाता है। गोरम घाट पहुंचने का रास्ता भी बेहद शानदार है। यहां पर आप ट्रेन से पहुंच सकते हैं। जब आप ट्रेन से गुजरते हुए यहां के नजारों को देखेंगे तो आपको शाहरुख खान के गाने छैंया-छैंया की जरूर याद आएगी।

गोरम घाट का अट्रैक्शन- राजस्थान के कश्मीर नाम से फेमस गोरम घाट प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर है। नेचर लेवर और एडवेंचर के शौकीन लोगों को यह जगह निराश नहीं करेगी। यहां से करीब 500 मीटर की दूरी पर जोगमंडी नामक झरना है। जहां पर आपको कुछ समय जरूर बिताना चाहिए। साथ ही आप यहां पर तस्वीरें भी खींच सकते हैं।

ट्रैकिंग- आप ट्रैकिंग का लुत्फ सिर्फ हिल स्टेशन्स पर ही नहीं बल्कि यहां गोरम घाट में भी ट्राई कर सकते हैं। यहां पर घने जंगलों और पहाड़ों पर ट्रैकिंग करने के दौरान कई खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे। जो आपकी ट्रिप के हर पर को यादगार बना देंगे।

ऐसे पहुंचे गोरम घाट- आपको बता दें कि गोरम घाट पहुंचने का सिर्फ एक माध्यम ट्रेन है। यहां पर बाइक, कार या बस से जाने का कोई रास्ता नहीं है। क्योंकि यह जगह चारों ओर से पहाड़ियों से घिरी हुई है। ट्रेन में सफर करने के दौरान आपको अरावली के बेहतरीन नजारे मिस नहीं करने चाहिए।

झीलों के बीच बसा है उदयपुर शहर, इन जगहों पर घूमना बिल्कुल भी ना भूलें

उदयपुर, "झीलों का शहर" है और यह राजस्थान के मुकुट में एक रत्न के रूप में देखा जाता है। अरावली पर्वतमाला के बीच बसा यह शहर अपने शाही आकर्षण, ऐतिहासिक भव्यता और प्राकृतिक परिदृश्यों से आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। आकर्षक झीलों के आसपास स्थित और सभी दिशाओं में अरावली पहाड़ियों से घिरा, उदयपुर अपनी नीली झीलों, शानदार महलों, जीवंत संस्कृति और स्वादिष्ट भोजन के लिए जाना जाता है। एक अवश्य घूमने योग्य गंतव्य होने के साथ-साथ, यह भारत में विलासिता का अनुभव करने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। "पूर्व का वेनिस" के रूप में भी जाना जाने वाला उदयपुर निस्संदेह भारत के सबसे रोमांटिक शहरों में से एक है। उदयपुर के केंद्र में प्रतिष्ठित पिछोला झील है, जिसके किनारे राजसी सिटी पैलेस है, जो उत्कृष्ट मेवाड़ वास्तुकला को प्रदर्शित करने वाले महलों, आंगनों और बगीचों का एक विशाल परिसर है। चमचमाती पिछोला झील में नौकायन उदयपुर यात्रा के सबसे खूबसूरत दृश्यों और मुख्य आकर्षणों में से एक है। अलौकिक जग मंदिर और जग निवास, जिसे लेक पैलेस के नाम से भी जाना जाता है, वह पिछोला झील के शांत पानी पर तैरते हुए प्रतीत होते हैं। एक और सुरम्य झील, फतेह सागर, तीन तरफ से पहाड़ियों से घिरी हुई है और द्वीपों से युक्त है, जो प्रकृति के बीच शांति प्रदान करती है। सहेलियों की बाड़ी, फव्वारों, खोखे और संगमरमर के हाथियों से सुसज्जित एक ऐतिहासिक उद्यान, महारानी की शाही जीवन शैली का एक प्रमाण है। उदयपुर की वास्तुकला की भव्यता जटिल नक्काशीदार जगदीश मंदिर और सज्जनगढ़ पैलेस तक फैली हुई है, जिसे मानसून पैलेस के रूप में भी जाना जाता है, जो शहर और इसकी झीलों के मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। उदयपुर के जीवंत बाजार, जैसे बड़ा बाजार और हाथी पोल, पारंपरिक राजस्थानी शिल्प, वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित हैं, जो खरीदारी का आनंददायक अनुभव प्रदान करते हैं। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला शिल्पग्राम शिल्प मेला, पारंपरिक कला, शिल्प और प्रदर्शन के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करता है। पाक कला प्रेमी दाल बाटी चूरमा, गट्टे की सब्जी और प्रतिष्ठित दाल कचौरी सहित स्वादिष्ट राजस्थानी व्यंजनों का उदयपुर में आनंद ले सकते हैं। शहर के छत पर बने रेस्तरां झिलमिलाती झीलों और महलों के दृश्य के साथ भोजन का आनंद लेने के लिए आदर्श स्थान हैं। उदयपुर घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक सर्दियों के महीनों के दौरान होता है, जब मौसम सुहावना होता है। उदयपुर की यात्रा को अक्सर पास के कुंभलगढ़ (80 किमी) और माउंट आबू की यात्रा के साथ जोड़ा जाता है। प्रतिष्ठित नाथद्वारा मंदिर उदयपुर से लगभग 60 किमी दूर है। अगर आप उदयपुर आये हैं तो नाथद्वारा अवश्य जायें।

छींटे

आलेख

संदीप ने गाड़ी रोकी तो देखा सड़क किनारे एक छोटी बच्ची सो रही थी। उसे हैरानी हुई। सड़क सुनसान नहीं थी। वाहनों का लगातार आवागमन चल रहा था। फिर बच्ची सोई हुई क्यों थी? कौन उसे सड़क किनारे सुलाकर गया था ? उसका भला करना चाहता था या उसका जीवन छीन लेना चाहता था। संदीप सोच सोच कर परेशान हो रहा था। बच्ची अगर नींद से जाग कर सड़क पर आ जाती तो बचने की संभावना कम ही थी। उसने बच्ची को गोद में उठाया और गाड़ी की पिछली सीट पर लिटा दिया। वह अब भी सो ही रही थी। घर पहुंचा तो चौकीदार ने दरवाज़ा खोला। गाड़ी खड़ी करके सचिन बच्ची को गोद में उठाए उपर आ गया। मां जगी हुई थी। टीवी देखते देखते बोली, सोनू, खाना गर्म कर देती हूं। जल्दी से कपड़े बदलकर आ जा। सोनू उनके पास जाकर खड़ा हुआ तो उन्होंने टीवी से नजर हटाई। चौंक कर खड़ी गई। ये कौन है? किसे उठा लाया? सोनू ने मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया। सो रही है। उठ जायेगी। मां को गुस्सा आ गया। किसकी लड़की है? घर क्यों उठा लाया है? सोनू ने तब तक बच्ची को सोफे पर लिटा दिया था।

मां, सड़क किनारे अकेली पड़ी हुई थी। इसके साथ कोई दुर्घटना घट सकती थी। इसलिए मैं घर पर ले आया। कल पता कर लेंगे किसकी बच्ची है? मां ने एक चादर बच्ची को ओढ़ा दी। सचिन ने कपड़े बदलकर खाना खाया लेकिन बच्ची तब तक भी नहीं उठी। उठना तो दूर हिली डुली भी नहीं। डॉक्टर को बुलाया तो उसने बताया कि बच्ची को नींद को गोली दी गई थी इसीलिए वह सोती रही। सुबह उठते ही बच्ची ने हंगामा खड़ा कर दिया। मम्मी पापा के पास जाना है। मां ने खिलौने दिलवाकर उसे चुप कराया। इंस्पेक्टर से बात की लेकिन उसका कहना था कि पिछले चौबीस घंटों में किसी भी बच्चे की गुमशुदगी की कोई

रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। सचिन कार्यवाही में लगा हुआ था लेकिन मन ही मन वह चाहता था कि कोई भी बच्ची को लेने नहीं आए और वह उसके पास ही रहे। बच्ची बरबस उसे प्रिंसी की याद दिला रही थी। उसकी अपनी बेटी प्रिंसी। उस दिन को कोस रहा था जब उसने प्रिंसी और अपनी पत्नी को लेने ड्राइवर को भेज दिया था। वह खुद काम में बहुत व्यस्त था। रास्ते में कार दुर्घटना और ड्राइवर सहित प्रिंसी और सुमन दोनों ही दुनिया को अलविदा कह गए। पीछे रह गया बस एक पछतावा। घटना को दस साल बीत गए थे लेकिन आज़ भी सचिन अकेला ही था। उसने दूसरी शादी नहीं की। मां भी थक हारकर चुप हो गई। बच्ची का पूरा चेक अप करवाने पर पता चला कि उसके दिल में छेद था। यह बात सामने आते ही सचिन ने लड़की के माता पिता को ढूंढना बंद कर दिया। मां का कहना था किसी ने जान बूझकर बच्ची को सड़क किनारे छोड़ दिया था ताकि उसके इलाज का खर्च बच जाए या फिर खर्च उठाने की असमर्थता के चलते। अब पूरा ध्यान उसके इलाज़ पर केंद्रित था। बच्ची की आदतें और बोलचाल देखकर यही समझ आता था कि वह किसी गरीब परिवार में जन्मी थी।

दिल का ऑपरेशन सफल रहा और बच्ची की हालत पहले से ज्यादा बेहतर हो रही थी। मां उसे प्रिंसी कहकर ही बुलाती थी। बच्ची भी अब सचिन और उसकी मां के साथ पूरी तरह घुल मिल गई थी। लेकिन एक दिन अचानक दोपहर के समय किसी ने दरवाजे की घंटी बजाई। एक आदमी और एक औरत सामने खड़े थे। सचिन ऑफिस में ही था। घर पर प्रिंसी और सचिन की मम्मी ही थी।

,हमारी बेटी को हमे वापिस कर दो। उस आदमी ने गुस्से में कहा। औरत मुंह में पल्लू दबाए चुप खड़ी थी। तुम क्यों कुछ नहीं कहती हो? कैसी मां हो? बेटी को सामने देखकर भी पास नहीं बुला रही हो। आदमी ने उस औरत से कहा जो देखने में उसकी पत्नी लग रही थी। औरत ने उसकी ओर देखा और बोली, भोली तो मुझे पहचान ही नहीं रही है। कैसे पास बुलाऊं? सचिन की मम्मी ने फोन करके सचिन को घर बुलवाया। वह आदमी ज़िद कर रहा था कि प्रिंसी उसी की बेटी थी। ,कोई सबूत है तुम्हारे पास कि यह बच्ची तुम्हारी है? सचिन के पूछने पर उसने बच्ची का आधार कार्ड सामने कर दिया। सचिन का चेहरा उतर गया लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। अभी पुलिस इंस्पेक्टर से तुम्हारी बात करवाता हूं। अगर वो मान लें कि सबूत सही है तब ही मैं मान सकता हूं कि बच्ची तुम्हारी है। वरना नहीं। उसने सख्त आवाज़ में कहा। औरत ने आदमी की ओर देखा फिर सचिन से बोली, नहीं साहेब, पुलिस के झमेले में नहीं पड़ना है। बच्ची हमारी है। हम झूठ नहीं बोल रहे हैं। मां ने उसकी बात का जवाब दिया। फिर पुलिस से क्यों डरती हो? इतने दिनों तक बच्ची की याद नहीं आई? पुलिस में खो जाने की रिपोर्ट भी नहीं लिखवाई। पुलिस जब तक तहकीकात करके नहीं कहे तब तक हम नहीं मानेंगे।

औरत का चेहरा उतर गया। डर गई। उसने नफरत से अपने पति की ओर देखा और बोली, तुम्हारे कर्मों की सजा है। अब चलो यहां से। सचिन कुछ समझा नहीं। मां भी आश्चर्य से उन दोनों को देख रही थी। उसने रोते हुए मां के पैर पकड़ लिए। माताजी, मेरी भोली को आप अपने पास ही रख लो। इस आदमी ने उसकी बीमारी का पता चलते ही उसे सड़क किनारे नींद की गोली देकर सुला दिया था। सचिन ने उस आदमी का कॉलर पकड़ा तो वह बीच में आ गई।, अब इसकी गलती नहीं है। इसे पता चल गया था कि भोली ठीक हो गई है। ये नहीं आना चाहता था लेकिन आपके घर का चौकीदार इसका दोस्त है। उसने सांठ गांठ की कि बच्ची के बदले ढेर सा रुपया लेकर आपस में बांट लेंगे। कहकर वह जोर जोर से रोने लगी। पुलिस इंस्पेक्टर भी तब तक आ गया था। आदमी भागने लगा लेकिन सचिन ने पकड़ लिया। प्रिंसी रंगों से भरी थाली लेकर घूम रही थी। हर तरफ रंग बिखरे हुए थे। सचिन और उसकी मां की बेरंग ज़िंदगी में भी कुछ छींटे पड़ गए थे।

● अर्चना त्यागी

समय की सोच

कॉलोनी में झाड़ू लगाती हुयी मेहतरानी इमरती ने पेट से पूरनमासा अपनी बहू रज्जो को अब भी अपने साथ काम पर लाना नहीं छोडा था। आज भी इमरती रज्जो को साथ लेकर ही आयी थी कॉलोनी में झाड़ू लगाने। सामने बने आलीशान मकान में सुमन आंटी की बहू भी पूरनमासा चल रही थी। सुमन आंटी ऐसी कट्टर कि इमरती को अपने फाटक तक से हाथ न लगाने देती थी और जब भी कुछ देना होता था इमरती को तो वह वस्तु अपने हाथ इतने ऊपर करके देती थी कि चाहे वह चीज नीचे गिर भले ही जाये, पर उनका हाथ स्पर्श न हो जाये इमरती की हथेली से। झाड़ू लगाते-लगाते रज्जो को सहसा प्रसव-पीडा शुरू हो गयी थी। वह कराहती हुयी वहीं सुमन-आंटी के घर के बाहर बैठ गयी। तडपती हुयी रज्जो को अस्पताल ले जाने के लिये इमरती ने कॉलोनी में सभी से कहा किन्तु सभी इधर-उधर देखकर अगल-वगल हो लिये, किसी ने कोई सहायता नही की। उधर मकान के अन्दर सुमनआंटी की बहू के भी प्रसव-पीडा प्रारम्भ हो गयी थी। सुमन आंटी के बेटे ने तुरन्त गाडी निकाली, सुमन आंटी ने कराहती अपनी बहू को उसमें बिठाया और खुद बैठने वाली ही थी कि उनकी नजर सडक पर कराहती, तडपती रज्जो पर पडी,साथ ही उसे सहलाती इमरती की आंखों की वेदना-मिश्रित मूक याचना को भी उन्होंने देखा। सुमन आंटी ने झटपट रज्जो को सहारा देकर उठाया और उसे अपनी बहू के साथ बिठा कर आप भी इमरती को साथ ले गाडी में जा

बैठी। कुछ घण्टों बाद अस्पताल में रज्जो और सुमन आंटी की बहू अगल-बगल के बिस्तरों पर लेटी थी। उनके पास बैठी सुमन आंटी और इमरती के हाथों में अपने-अपने शिशु थे। इमरती बेहद कृतज्ञ थी सुमन आंटी के प्रति बोली, आज यदि आप नही होती तो पता नहीं क्या होता। कॉलोनी में सभी का रूखा व्यवहार देख कर मैनें तो आपसे भी आशा छोड़ दी थी। किन्तु आपने तो बीच में ही मुस्करा कर सुमन आंटी बोली देख इमरती,उस समय न मैनें तुमको देखा,न तुम्हारी जात देखी, उस समय तो मुझे बस आने वाले उस नन्हें शिशु का जीवन दिख रहा था जो इस जांत-पांत के आसमां से बिल्कुल परे था। खैर, कल से तुम वही इमरती हो और मैं वही सुमन आंटी ठीक है न। सुन कर सुमन आंटी के साथ इमरती भी हौले से मुस्करायी।

● अन्जना मनोज गर्ग

अथ श्री कुत्ता-बिस्कुट कथा

व्यंग्य

उनके हाथ में बिस्कुट है। पास में कुत्ता और सामने नीचे खड़ा वफादार पार्टी कार्यकर्ता। इस बात की गारंटी है कि कार्यकर्ता वफादार है, वह वफादार इतना है कि भैया के हाथ का वह बिस्कुट भी हंसते हंसते लपक लेता है,जो कुत्ता के इनकार के बाद बचा है। भैया को भी पता है कि कुत्ता भले ही बिस्कुट खाने से मना कर दे, पर कार्यकर्ता मना नहीं कर सकता। बिस्कुट की अपनी किस्मत खराब है, उसको प्यारे कुत्ते के मुंह में जाना चाहिए था, पर वह गया कार्यकर्ता के मुंह में। कार्यकर्ता की किस्मत बहुत अच्छी है, वह अपनी किस्मत को सराहता है कि चाहे वह कुत्ते के बचा हुआ बिस्कुट है,पर वह है तो शाही बिस्कुट वह कोई साधारण बिस्कुट नहीं है, कार्यकर्ता जानता हैं कि खजाने के रूप में जो उसे बिस्कुट मिला है उसे मिलने पर ईश्वर को धन्यवाद देना चाहिए,उसे तो हिमालय की कई वर्षों की कठिन तपस्या के बाद भी इस तरह का पुण्य नहीं मिल पाता, कार्यकर्ता इंद्र के सिंहासन को ठुकरा सकता है पर इस बिस्कुट को नहीं। इस बिस्कुट में दादी के साहस का प्रोटीन है, परनाना के सेकुलरिज्म का ग्लूकोज है। खानदानी राजनीतिक दल के राजकुमार के सबसे प्यारे कुत्ते की लार तक

उसमे चिपकी है।

भैया के कुत्ता बिस्कुट कथा का ये दूसरा अध्याय है। पहले अध्याय की कथा असम के एक नेता ने सुनाई थी,कथा वाचक ने बताया था कि वह सत्ता से मोह नहीं करते, सत्ता जाती हो तो चले जाए पर,वह श्वान प्रेम को नही छोड़ेंगे। वह उनका जानवरों के प्रति प्रेम है,इतना प्रेम है कि वह मटन बनाते हुए भी पूरे देश को बताते है कि देखो मटन कैसे बनता है?

भैया गांव गांव भटक रहे है, सत्ता के लिए वह सत्ता जो उनके लिए जहर है। सत्ता एक समय में उनके परिवार का पालतू कुत्ता हुआ करती थी। जब चाहे पुचकारते हुए उससे खेल सकते हैं। राज्यों में जब चाहे उनकी सरकारें बकरी जैसी चाहे जैसे उपयोग करो। भैया ने पार्टी और अपने पालतू कुत्ते में कोई फर्क नहीं किया,पार्टी को भी उतना ही प्रेम दिया जितना अपने कुत्ते को। वह अपनी पार्टी को इसलिए चला रहे है कि कुत्ते को पाल सकें और उसके झूठे बिस्कुट कार्यकर्ता को खिला सकें। अब सही है ना,कोई कर्मचारी तो कुत्ते के बिस्कुट खायेगा नहीं, उसके लिए तो कार्यकर्ता ही चाहिए वफादार कार्यकर्ता हो उसके लिए पार्टी का होना जरूरी है।

भैया अपनी मोहब्बत की दुकान का साइन बोर्ड लिए हाट बाजार में घूम रहे हैं,कार्यकर्ता जब उनकी दुकान में आता है उसको सिवाय कुत्ते के बिस्कुट और जी एस टी वाली टी शर्ट के अलावा कुछ नहीं मिलता। दिल्ली वाली उनकी फैक्टरी में जहां भाषण के कागज तैयार होते हैं वहां भी खाली कुत्ते के बिस्कुट बनते है। मोहब्बत फोहब्बत तो वहां भी नहीं है।

वैसे ये विरोधी लोग फालतू की अफवाह फैलाते हैं। ये मोहब्बत की दुकान में कोई कोई मोहब्बत फोहब्त नही है,उनके फैक्टरी के मैनेजर बताते है कि वहां पर बहुत सारी मोहब्बत उपलब्ध है,विभिन्न आकार प्रकार में अलग अलग पेकिंग में मोहब्बत उपलब्ध है।चीन वाली मोहब्बत भी है।एक डिब्बे में हमारे पास आजादी के आंदोलन की मोहब्बत भी रखी है,ये गांधी छाप मोहब्बत जब कभी निकालते हैं।

भैया मोहब्बत की दुकान की फेरी लगाने जब गांव गांव गली गली जाते है ।तब अपने साथ में कुत्ता और कुत्ते के बिस्कुट जरूर रखते हैं।उन्हे पता है कि इसकी जरूरत रास्ते में कभी कहीं भी पड़ सकती है ,ये बताने के लिए कि मेरे इंतजार में घंटो से खड़े कार्यकर्ता तुम्हे मै कुत्ते की मोहब्बत वाले बिस्कुट जरूर ऑफर करूंगा। तुम इनकार मत करना उसमे कुत्ते वाली मोहब्बत की खुशबू है।

● प्रदीप औदिच्य

गीत

वसंती गीत

रोम-रोम रोमांच, फागुनी मौसम में।
रुत भी हुई जवान, फागुनी मौसम में।
क्यारी-क्यारी सरसो फूली,
मन्द पवन के संग में झूली।
ताने नवल वितान, फागुनी मौसम में।
रोम-रोम रोमांच, फागुनी मौसम में।
तितली भंवरें कीट पतंगे
मन में भर-भर मृदुल उमंगें।
गाते हैं वृन्दगान फागुनी मौसम में।
रोम-रोम रोमांच फागुनी मौसम में।
कोयल कूके हूक उठाये,
महुआ महके आम बौराये।
फिजा बनी दिलजान, फागुनी मौसम में।
रोम-रोम रोमांच फागुनी मौसम में।
लाल-लाल टेसू की क्यारी,
लहक-महक रही फुलवारी।
बदले हैं परिधान, फागुनी मौसम में।
रोम-रोम रोमांच, फागुनी मौसम में।
मधुर मिलन की मधुरिम बेला,
बीत रहा है वसंत अकेला।
आया न चितचोर, फागुनी मौसम में।
रोम-रोम रोमांच फागुनी मौसम में।
सुबह-शाम में आती हिचकी,
बार-बार मैं खोलूं खिड़की।

● नरेन्द्र सिंह नीहार

कविता

होली आई रे

होली रें होली देखो आई होली,
फागुन का महीना देखो आई होली,
रंगों और अबीरों से करो ,
इससे मिलने की शुरुआते,
होली रे होली देखो आई होली,
फागुन का महीना देखो आई होली,
आज ना करो वो पुरानी वाली बातें,
गिले शिकवे वो फसादों वाली बातें,
इससे ना करो कोई होली में
मिलने की शुरुआतें।
होली रे होली देखो आई होली
फागुन का महीना देखो आई होली
घुल जाओ रे मतोंगो ऐसे ,
जैसे पानी में घुलतें है सब रंगे,
होली रे होली देखो आई होली।
फागुन का महीना देखो आई होली,
झुमो झूमो रे मातोंगो ऐसे जैसे,
मथुरा में झूमते हैं गोपी ओर नंदे,
होली रे होली देखो आई होली।
फागुन का महीना देखो आई होली॥

● रीना सोनालिका चास

जवानी ढल रही है

बुढ़ापे की ओर बढ़ रही है
धीरे धीरे जवानी ढल रही है
बुढ़ापे की ओर बढ़ रही है
सुनने की छमता कम हो गई
ऊंचा सुनने की आदत हो गई
नजरे कमजोर होम लगी
धीरे धीरे रोशनी खोने लगी
बाल पक गए दांत गिर गये
बीमारियों के मुंह खुल गये
दर्द सताये सहा ना जाये
कैसे किसी को अपना हाल सुनिये

● श्रीचंद रैकवार

संक्षिप्त खबरें

निहार का लैंग्वेज लर्निंग प्रोग्राम

नई दिल्ली। निहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला ने गैर-लाभकारी संगठन लीप फार वर्ड के साथ साझेदारी की है। इसके तहत एक अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रोग्राम निहार शांति पाठशाला फनवाला को लांच किया गया है। इस प्रोग्राम में शिक्षकों को उनकी मातृभाषा में शिक्षित करने के लिए फोनेटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि उन्हें आसानी से अंग्रेजी पढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके। यह प्रोग्राम व्हाट्सऐप और यूट्यूब पर उपलब्ध है। मैरिको लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग आफिसर सोमाश्री बोस अवस्थी ने कहा, 'निहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला हेयर ऑयल ने ब्रांड के उद्देश्य को पहचानने वाले ग्राहकों के साथ जो जुड़ाव बनाया है, उस पर हमें बहुत गर्व है।

फुली लोडेड जेड 9 लांच

नई दिल्ली। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज भारत में अपने जेड सीरीज पोर्टफोलियो से फुलीलोडेड स्मार्टफोन आईकू जेड 9 लॉन्च किया है।लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए आईकू के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर निपुण मार्या ने कहा, 'हमारे पिछले जेड सीरीज उत्पादों के लिए हमारे उपभोक्ताओं द्वारा दिखाए गए जबरदस्त उत्साह से प्रेरित होकर कर, हम आईकू जेड9 को पेश करके पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं। फोटोग्राफी के अनुभव को ऊंचा करते हुए इसमें सेगमेंट का पहला सोनी आईएमएक्स 882 ओआईएस रियर कैमरा शामिल है।

हिस्सेदारी बेचेगी पैरामाउंट

नई दिल्ली। पैरामाउंट ग्लोबल अपने भारतीय टीवी कारोबार में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस इंडस्ट्रीज को 4,286 करोड़ रुपये में बेचने पर सहमत हो गई है। भारतीय कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रिलायंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने पैरामाउंट ग्लोबल की वायकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की 13.01 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने के लिए उसकी दो अनुषंगी कंपनियों के साथ समझौता किया है।

सिंट्रा ने IRB में शेयर लिए

नई दिल्ली। फेरोवियल की अनुषंगी कंपनी सिंट्रा ने जीआईसी एफिलेट्स से आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा, 'अधिग्रहण का पूरा होना पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति के अधीन है, जिसमें अपेक्षित नियामक और तीसरे पक्ष की मंजूरी की प्राप्ति भी शामिल है।' इसमें कहा गया है कि ट्रस्ट के एकमात्र परियोजना प्रबंधक के रूप में आईआरबी को ईपीसी और ओएंडएम आर्डर बुक बढ़ने से भी फायदा होगा।

रोडवे सोल्यूशंस पूंजी जुटाएगी

नई दिल्ली। रोडवे सोल्यूशंस इंडिया इंफ्रा लिमिटेड (आरएसआईआईएल) कंपनी के विस्तार और वृद्धि के लिए मॉरीशस की एजी डायनेमिक फंड्स से शेयर के रूप में 12.04 करोड़ डालर (लगभग 1,000 करोड़ रुपये) जुटाएगी। साल 2017 में स्थापित पुणे स्थित आरएसआईआईएल सड़क विकास में सक्रिया है। कंपनी के पास फिलहाल लगभग 9,000 करोड़ रुपये के आर्डर हैं। आरएसआईआईएल के प्रबंध निदेशक अमीत गढोके ने कहा, 'हमने इसके लिए एजी डायनेमिक फंड्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।'

कल्पतरु को मिले आर्डर

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल और उसकी इकाइयों को 2,445 करोड़ रुपये के आर्डर मिले हैं। बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, नए आर्डरों में भारत और विदेशी बाजारों में 2,366 करोड़ रुपये के पारेषण और वितरण (टीएंडडी) कारोबार के आर्डर शामिल हैं। इसके अलावा, इसे 79 करोड़ रुपये का 'बिल्डिंग्स एंड फैक्ट्रीज' (बीएंडएफ) कारोबार परियोजना भी मिली है। बयान के अनुसार, कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और इसकी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों ने 2,445 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर/अधिसूचना हासिल किए है।

सरकारी हिस्सेदारी घटाएंगे पांच बैंक

■ शेयरधारिता नियमों के तहत 75 फीसद से नीचे लाने की तैयारी

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों का अनुपालन करने के लिए बैंक आफ महाराष्ट्र, इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) और यूको बैंक सहित पांच सरकारी बैंक सरकार की हिस्सेदारी को घटाकर 75 प्रतिशत से नीचे लाने की योजना बना रहे हैं। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सार्वजनिक क्षेत्र के कुल 12 बैंकों (पीएसबी) में से चार 31 मार्च, 2023 तक सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों का अनुपालन कर चुके हैं। जोशी ने एक बातचीत में कहा, 'चालू वित्त वर्ष में तीन और पीएसबी ने न्यूनतम 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता का अनुपालन पूरा कर लिया है। शेष पांच सरकारी बैंकों ने एमपीएस मानदंडों को पूरा करने के लिए कार्ययोजना बनाई हैं। फिलहाल दिल्ली स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 98.25 प्रतिशत है। चेन्नई के इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 96.38 प्रतिशत, यूको बैंक में 95.39 प्रतिशत, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया में 93.08 प्रतिशत, बैंक आफ महाराष्ट्र में 86.46 प्रतिशत है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों का अनुपालन जरूरी है। हालांकि, नियामक ने सरकारी बैंकों को विशेष छूट दी है। उनके पास 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता के नियम को पूरा करने के लिए अगस्त, 2024 तक का समय है। जोशी ने कहा कि बैंकों के पास हिस्सेदारी कम करने के लिए कई विकल्प हैं, जिनमें अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) या पात्र संस्थागत नियोजन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की स्थिति के आधार पर इनमें से प्रत्येक बैंक शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेगा। बिना कोई समयसीमा बताए उन्होंने कहा कि इस अनिवार्यता को पूरा करने के प्रयास जारी हैं।

■ इन बैंकों में यूको बैंक. बैंक आफ महाराष्ट्र आईओबी, पीएंडएस बैंक व सेंट्रल बैंक हैं शामिल
■ हिस्सेदारी घटाने में शेयरधारकों के हित सर्वोपरि
■ बैंकों के पास हिस्सेदारी घटाने के हैं कई विकल्प

जोशी ने कहा कि वित्त मंत्रालय ने सभी पीएसबी को अपने स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का निर्देश दिया है क्योंकि सरकार के समक्ष नियामकीय मानदंडों का अनुपालन न करने के मामले आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को पत्र लिखकर उनसे स्वर्ण ऋण से संबंधित अपनी प्रणाली और प्रक्रियाओं पर गौर करने को कहा है।

शेयर बाजारों में रौनक लौटी सेंसेक्स 335 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और धातु कंपनियों के शेयरों में खरीदारी के दम पर बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर बाजार पिछले सत्र की भारी गिरावट से उबरने में सफल रहे और मानक सूचकांक करीब आधा प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 335.39 अंक यानी 0.46 प्रतिशत चढ़कर 73,097.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 602.41 अंक उछलकर 73,364.30 तक पहुंच गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 148.95 अंक यानी 0.68 प्रतिशत बढ़कर 22,146.65 अंक पर पहुंच गया। इसके साथ ही निफ्टी ने फिर से 22,000 अंक का स्तर हासिल कर लिया। इस तरह घरेलू शेयर बाजारों ने पिछले कारोबारी सत्र में हुए भारी नुकसान की कुछ हद तक भरपाई कर ली।

बुधवार को सेंसेक्स 906.07 अंक यानी 1.23 प्रतिशत गिरकर 72,761.89 अंक और निफ्टी 338 अंक यानी 1.51 प्रतिशत गिरकर 21,997.70 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, विप्रो, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही। व्यापक बाजारों में भी खासा सुधार देखा गया। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 3.11 प्रतिशत और मिडकैप में 2.28 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

भारत की शासन प्रणाली को बदनाम करना था हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का मकसद : अडाणी

मुंबई (भाषा)।

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल जनवरी में आई अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट न केवल विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार वाले समूह को अस्थिर करने बल्कि भारत की शासन (गवर्नेंस) प्रणाली को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए भी लाई गई थी।

शॉर्ट-सेलर एवं निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। उस समय समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया था। इस साल उसे उच्चतम न्यायालय से भी राहत मिली जब न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि उसे अतिरिक्त जांच का सामना करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, यह रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह के शेयरों में 150 अरब डालर से अधिक की बिकवाली हुई थी। इसका असर यह हुआ था कि 2023 की शुरुआत में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्यमी के रूप में सूचीबद्ध गौतम अडाणी शीर्ष 20 से भी बाहर हो गए। बाद में समूह ने इस नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली है।

अडाणी ने यहां एक निजी कार्यक्रम में कहा, 'पिछले साल 24 जनवरी को हमपर एक अमेरिकी शॉर्ट सेलर ने बड़े पैमाने पर हमला किया था। इसका उद्देश्य सिर्फ हमें अस्थिर करना नहीं था बल्कि भारत की शासन प्रथाओं को राजनीतिक रूप से बदनाम करना भी था।'

उन्होंने कहा, 'हमारी नींव हिलाने की कोशिशों के बावजूद हम मजबूती से खड़े रहे और हमने न केवल अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा की बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि हम अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित रखें।'

अडाणी समूह के मुखिया ने कहा कि इस प्रकरण ने कई बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'इस प्रकरण ने हमें अपनी जुझारू क्षमता पर भी विश्वास दिलाया।

फरवरी में थोक महंगाई में मामूली कमी आई

■ अप्रैल से अक्टूबर तक नकारात्मक थी मुद्रास्फीति

नई दिल्ली (भाषा)।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद थोक मुद्रास्फीति की दर फरवरी में मामूली गिरावट के साथ 0.2 प्रतिशत रह गई जो एक महीने पहले 0.27 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक नकारात्मक दायरे में थी लेकिन नवम्बर में यह 0.26 प्रतिशत पर सकारात्मक हो गई थी। एक साल पहले फरवरी, 2023 में महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करते हुए कहा, 'अखिल भारतीय डब्ल्यूपीआई संख्या पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर फरवरी 2024 के महीने में 0.20 प्रतिशत (अस्थायी) रही है।' आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी के 6.85 प्रतिशत से मामूली रूप से बढकर 6.95 प्रतिशत हो गई। सब्जियों की महंगाई दर जनवरी के 19.71 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 19.78 प्रतिशत हो गई। दालों की थोक महंगाई दर फरवरी में 18.48 प्रतिशत रही जबकि जनवरी में यह 16.06 प्रतिशत थी।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि ईंधन और ऊर्जा खंड में महंगाई दर फरवरी में 1.59 प्रतिशत और घट गई। जनवरी में इस खंड में 0.51 प्रतिशत की अपस्फीति दर्ज की गई थी। विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में भी जनवरी के 1.13 प्रतिशत की तुलना में 1.27 प्रतिशत की गिरावट आई।

थोक मूल्य सूचकांक से थोक बाजार में उत्पादकों को मिलने वाली कीमतों के बारे में पता चलता है। लेकिन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर दर्ज खुदरा मुद्रास्फीति इन उत्पादों की खुदरा कीमतों को दर्शाती है। भारतीय रिजर्व बैंक अपने मौद्रिक नीति कदमों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को ही आधार बनाता है।

डीबी रियल्टी ने शेयर बेचकर 920 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली (भाषा)।

डीबी रियल्टी ने अपनी रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए मोर्गन स्टेनली एशिया सहित संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 920 करोड़ रुपये जुटाए है।

कंपनी ने सात मार्च को अपना क्यूआईपी निर्गम पेश किया था। यह निर्गम 13 मार्च को बंद हुआ। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत खरीदारों को 258 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 3,56,66,675 शेयरों को जारी और आवंटित करने की मंजूरी दी। इसका कुल मूल्य 920 करोड़ रुपये है।

फोर्ज्ड व्हील निर्यातक बनेगा रेलवे

चेन्नई (भाषा)।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि रेलगाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले पहियों (फोर्ज्ड व्हील) का आयातक होने के 60 से 70 साल बाद भारत अब इसका निर्यात करने को तैयार है। वैष्णव के पास इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भी है।

मंत्री यहां अमेरिका की सेमीकंडक्टर विनिर्माता क्वालकॉम के चेन्नई डिजाइन केंद्र का उद्घाटन करने आए थे। उन्होंने कहा कि रेलवे के लिए फोर्ज्ड व्हील का उत्पादन करने के लिए एक संयंत्र स्थापित करने को निर्माण गतिविधियां तमिलनाडु में शुरू हो गई है। रेलवे ने पहले चरण में 650 करोड़ रुपये की लागत से चेन्नई के पास गुम्मिडिपोंडी में विनिर्माण

इकाई स्थापित करने के लिए रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम (जेडब्ल्यू) शुरू किया है।

वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, 'वंदे भारत ट्रेन बहुत सफल रही है। वंदे भारत में जो पहिये इस्तेमाल किए जाते है, वे विशेष गुणवत्ता वाले होते है। वे एक विशेष विनिर्माण प्रक्रिया से गुजरते है। वैगन में हम जिन पहियों का उपयोग करते है, वे कास्टिंग प्रक्रिया से गुजरते है।'

उन्होंने कहा, 'फोर्ज्ड व्हील के उत्पादन के लिए कारखाना अब स्थापित किया जा रहा है। निर्माण शुरू हो गया है। संयंत्र में 2.5 लाख पहियों का उत्पादन करने की क्षमता होगी, जिनमें से 80,000 का उपयोग भारत में किया जाएगा और शेष 1.70 लाख का निर्यात किया जाएगा।'

भारतीय कंपनियों के लिए साइबर अटैक प्रमुख जोखिम

नई दिल्ली (भाषा)।

साइबर हमले और डेटा में सेंध भारत में कंपनियों के लिए सबसे प्रमुख व्यावसायिक जोखिम है। वैश्विक जोखिम प्रबंधन सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 2021 के व्यावसायिक जोखिम सर्वेक्षण में साइबर हमलों और डेटा सेंध को सातवें स्थान पर रखा गया था।

वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी एऑन ने सबसे अधिक दबाव वाली व्यावसायिक चुनौतियों की पहचान करने के लिए 61 देशों और क्षेत्रों के लगभग 3,000 जोखिम प्रबंधकों, सी-सूट अगुवाओं, वित्तीय अधिकारियों, प्रतिभा पेशेवरों और अन्य अधिकारियों से आंकड़े एकत्र किए।

द्विवार्षिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), आधार और डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे को व्यापक रूप से अपनाने से प्रौद्योगिकी पर भारत की निर्भरता बढ़ने की संभावना है। सर्वेक्षण कहता है, 'डिजिटलीकरण बढ़ने के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे उल्लंघनों से जुड़ी लागत और जटिलताएं, संगठनों को साइबर जोखिमों के बेहतर प्रबंधन के लिए मजबूर कर रही है।'

व्यापार में रुकावट और शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने या बनाए रखने में विफलता को भारत में संगठनों के सामने आने वाले क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े जोखिम के रूप में चिह्नित किया गया था। एऑन के भारत में प्रतिभा समाधान खंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नितिन सेठी ने कहा, ''एकीकृत जोखिमों को समझने और प्रबंधित करने के लिए भारतीय व्यवसायों को उन्नत डेटा एनालिटिक्स और विशेषज्ञों का लाभ उठाने की अनिवार्य आवश्यकता है।'

महाराष्ट्र सरकार की हुई एयर इंडिया बिल्डिंग

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार द्वारा बृहस्पतिवार को संपत्ति के हस्तांतरण को मंजूरी देने के साथ ही महाराष्ट्र सरकार एयर इंडिया की चर्चित इमारत की मालिक बन गई है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के नरीमन पॉइंट पर एयर इंडिया की इमारत को 1,601 करोड़ रुपये में खरीदा। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भारत सरकार ने एआई एसेट्स होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (एआईएएचएल) की एयर इंडिया इमारत, मुंबई को 1,601 करोड़ रुपये में महाराष्ट्र सरकार को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है।' नागर विमानन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार की कंपनी एआईएएचएल की स्थापना 2019 में एयर इंडिया की गैर-प्रमुख संपत्तियों और ऋण रखने के लिए की गई थी। भूमि और भवन सहित एयर इंडिया की गैर-प्रमुख संपत्तियों का मूल्य 14,718 करोड़ रुपये था।

रोड प्रोजेक्ट के लिए 1386 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली (भाषा)।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने कर्नाटक के विभिन्न जिलों में 2,055.62 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली 295 सड़क विकास परियोजनाओं के विस्तार के लिए 1,385.60 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस प्रयास का मकसद सिर्फ बुनियादी ढांचे को बेहतर करना नहीं है, बल्कि इससे संपर्क में भी सुधार होगा, जिससे अंततः सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

10 विमानों के लिए पट्टा करार करेगी स्पाइसजेट

मुंबई (भाषा)। स्पाइसजेट ने अपनी क्षमता विस्तार के उद्देश्य से 10 विमानों के लिए पट्टा समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालिया निपटान समझौतों के तौर पर इसे तीन विमान ढांचे भी प्राप्त हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन आठ विमानों के संबंध में पट्टादाताओं के साथ भी बातचीत कर रही है जिनका पट्टा इस महीने समाप्त हो रहा है।

कंपनी इनमें से कम से कम छह विमानों को अपने पास बनाए रखना चाहती है। इसके अलावा, अधिकारी ने कहा कि जिन दो विमानों को रोक दिया गया था वे वापस परिचालन में आ गए हैं। फिलहाल स्पाइसजेट के बेड़े में 30 से ज्यादा विमान हैं। बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में एयरलाइन ने कहा कि उसने 10 विमानों के लिए पट्टा समझौते को अंतिम रूप दे दिया है।

100 जेलों को दिया गया 'ईट राइट कैंपस' का प्रमाणन

■ प्रमाणन हासिल करने वाली जेलों में सर्वाधिक उत्तर प्रदेश की ■ तिहाड़ जेल दिल्ली और सेन्ट्रल जेल, बिहार को भी प्रमाणन

नई दिल्ली (भाषा)।

कैदियों और जेल कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के तहत खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने देशभर की लगभग 100 जेलों को 'ईट राइट कैंपस' के रूप में प्रमाणीकरण किया है।

एक अधिकारी ने कहा, 'देश भर की लगभग 100 जेलों को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा 'ईट राइट कैंपस' के रूप में प्रमाणित किया गया है, जो विभिन्न परिसरों में सुरक्षित और स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने के लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'

बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा गया, 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन प्रक्रिया में कठोर मूल्यांकन और एफएसएसएआई के निर्धारित मूल्यांकन मानदंडों का पालन शामिल है। इस पहल में भारत की कुछ प्रमुख जेलों की भागीदारी रही। इनमें तिहाड़ जेल (दिल्ली), सेंट्रल जेल गया (बिहार), मॉडर्न सेंट्रल जेल (पंजाब), सेंट्रल जेल रीवा (मध्य प्रदेश) तथा कई जिले और मंडल कारागार शामिल हैं।

प्रमाणित जेलों की सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश से थी, उसके बाद पंजाब, बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान था। देशभर में 2,900 से अधिक कार्यस्थलों को अब 'ईट राइट कैंपस' के रूप में मान्यता दी गई है।

फिच ने वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7% किया

नई दिल्ली (भाषा)।

फिच रेटिंग्स ने मजबूत घरेलू मांग और व्यापार एवं उपभोक्ता भरोसे में सुधार के कारण अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढी है। ऐसे में फिच का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी। यह सरकार के 7.6 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है।

किडनी के इलाज में भारतीय शोधकर्ताओं को मिली असरदार नीरी केएफटी

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय शोधकर्ताओं ने नीरी केएफटी दवा को किडनी के इलाज में रामबाण बताया है। शोधकर्ताओं ने मरीजों पर किए परीक्षण में 42 दिन के भीतर सीरम क्रिएटिनिन का स्तर काबू में पाया जो बताता है कि किडनी रक्त को कितनी अच्छी तरह से फिल्टर कर रही है। बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन ईरान के मेडिकल जर्नल एविसेना जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्री ने प्रकाशित किया है जिसका संचालन चर्चित हमादान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन साइंसेज कर रहा है। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि नीरी केएफटी 19 जड़ी-बूटियों से बनी एक भारतीय आयुर्वेदिक दवा है जिसमें पुनर्नवा, गोखरू, वरुण, कासनी, मकोय, पलाश, गिलोय मिश्रण है। भारतीय वैज्ञानिकों के साथ खोज करने वाले एमिल फार्मास्युटिकल्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। आयुर्वेद में किडनी को मजबूती देने के लिए कई औषधियों का जिक्र है।

नीरी केएफटी पर अब तक कई चिकित्सा अध्ययन हुए है जिनमें इसे असरदार पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, समय पर पहचान न होने से क्रोनिक किडनी डिजीज यानी सीकेडी का बोझ लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर यह करीब 13 फीसदी तक है। भारत की बात करें तो 10 में से नौ सीकेडी रोगी महंगे उपचार का भार नहीं उठा सकते। इसलिए सस्ते विकल्प के तौर पर पारंपरिक चिकित्सा के वैज्ञानिक तथ्यों का पता लगाने के लिए यह अध्ययन किया गया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने नीरी केएफटी दवा एवं कबाब चीनी का इस्तेमाल करते हुए पाया कि 15-15 मरीजों के दोनों समूह में अनेक सकारात्मक प्रभाव है। दोनों समूहों के मरीजों के सीरम क्रिएटिनिन में कमी दर्ज की गई। दूसरे ईजीएफआर यानी ग्लोमेरु लर फिल्ट्रेशन दर में भी सुधार पाया गया। इसमें बढ़ोत्तरी सुधार का संकेत है। यह दोनों पैरामीटर किडनी की कार्य प्रणाली में सुधार के संकेत है। इन औषधियों के सेवन से मरीजों में अरुचि और थकान में भी कमी पाई गई। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में कहा है कि पारंपरिक चिकित्सा में कई ऐसी बीमारियों का इलाज छिपा है जिनके बारे में जागरूकता बेहद कम है। ये नतीजे बेहद महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के शोधकर्ताओं ने मरीजों पर परीक्षण के बाद निकाले निष्कर्ष - 42 दिन तक मरीजों को रोजाना नीरी केएफटी की खुराक देने से क्रिएटिनिन आया काबू में

59 वर्ष के हुए आमिर खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता-फिल्मकार आमिर खान आज 59 वर्ष के हो गए। आमिर खान का जन्म 14 मार्च 1965 को मुंबई मे हुआ। उनके पिता ताहिर हुसैन और चाचा नासिर हुसैन जाने-माने फिल्म निर्माता थे। घर में फिल्मी माहौल के कारण आमिर खान की रूचि भी फिल्मों में हो गई और वह अभिनेता बनने का सपना देखने लगे। आमिर खान ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1973 में बतौर बाल कलाकार अपने चाचा नासिर हुसैन के बैनर तले बनी फिल्म 'यादो की बारात' से की। बाद में उन्होंने वर्ष 1974 में प्रदर्शित फिल्म 'मदहोश' में भी बतौर बाल

कलाकार काम किया। इसके बाद उन्होंने लगभग 11 वर्ष तक फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया । वर्ष 1984 में प्रदर्शित फिल्म 'होली' से आमिर खान ने बतौर अभिनेता सिने करियर की शुरूआत की, लेकिन दर्शको के बीच अपनी पहचान बनाने में असफल रहे।

लगभग चार वर्ष तक मायानगरी मुंबई में संघर्ष करने के बाद 1988 में अपने चाचा नासिर हुसैन के बैनर तले बनी फिल्म 'कयामत से कयामत तक' की सफलता के बाद आमिर खान बतौर अभिनेता फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये उन्हें उस वर्ष नवोदित अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 1994 में राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म 'अंदाज अपना अपना' में आमिर खान के अभिनय का नया रंग देखने को मिला। इस फिल्म के पहले उनके बारे में यह बात की जाती थी कि वह केवल रूमानी भूमिका ही निभा सकते है लेकिन आमिर खान ने अभिनेता सलमान खान के साथ अपने हास्य अभिनय से दर्शको को मांमुग्ध कर दिया। फिल्म में अपने बेहतरीन अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित भी किए गए।

वर्ष 1994 में ही प्रदर्शित फिल्म 'बाजी' में उनके अभिनय का नया रूप देखने को मिला। रोचक बात यह है कि इस फिल्म के एक गाने में आमिर खान ने एक लड़की की भूमिका निभाई और इसके लिये उन्होंने अपने पूरे शरीर पर वैक्सिंग का इस्तेमाल किया । वर्ष 1996 में आमिर खान के सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में उन्होंने अपने दमदार अभिनय से एक बार फिर से दर्शको का भरपूर मनोरंजन किया। इस फिल्म से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि फिल्म में एक गाने के दौरान आमिर खान को नशे में अभिनय करना था और आमिर खान ने व्यक्तिगत जिंदगी में कभी शराब नहीं पी थी। फिल्म में शराबी के किरदार को रूपहले पर्दे पर वास्तविक तौर पर पेश करने लिये आमिर खान ने अपनी जिंदगी में पहली बार शराब का सेवन किया और अभिनय किया। वर्ष 1998 में आमिर खान के सिने करियर की एक और सुपरहिट फिल्म'गुलाम'प्रदर्शित हुई । इस फिल्म से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि फिल्म के एक दृश्य के दौरान आमिर खान को ट्रेन के विपरीत दिशा में दौड़ लगानी थी और इसे चैलेंज के रूप में लेते हुए मौत की परवाह किये बिना वह ट्रेन के सामने आने से भी नही हिचके और दर्शको को रोमांचित कर दिया ।वर्ष 2001 में आमिर खान ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया। आमिर खान की वर्ष 2016 में फिल्म 'दंगल' प्रदर्शित हुई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी दंगल में आमिर खान एक पहलवान के किरदार में नजर आए। यह फिल्म हरियाणा के पहलवान महावीर सिंह फोगट की जिंदगी पर आधारित है, जिन्होंने काफी विरोध के बावजूद अपनी दोनों बेटियों को रेसलिंग के क्षेत्र में उतारा। दंगल बॉलीवुड की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म ने 387 करोड़ की कमाई की है। वर्ष 2018 में आमिर खान की फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान प्रदर्शित हुई, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं दिखा सकी। आमिर खान की वर्ष 2022 में लाल सिंह चड्ढा प्रदर्शित हुई लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर नकार दी गई। आमिर की आने वाली फिल्मों में सितारे जमीन पर शामिल है।

1996 में आमिर खान के सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में उन्होंने अपने दमदार अभिनय से एक बार फिर से दर्शको का भरपूर मनोरंजन किया। इस फिल्म से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि फिल्म में एक गाने के दौरान आमिर खान को नशे में अभिनय करना था और आमिर खान ने व्यक्तिगत जिंदगी में कभी शराब नहीं पी थी।

शाहरुख के साथ पोज देते दिखे

हॉलीवुड सिंगर एड शीरन

मुंबई (आईएएनएस)। 'शेप ऑफ यू', 'परफेक्ट', 'थिंकिंग आउट लाउड' जैसे चार्टबस्टर्स देने वाले मशहूर हॉलीवुड सिंगर एड शीरन मुंबई में 16 मार्च को होने वाले अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी मुंबई यात्रा के दौरान उन्हें सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ देखा गया। उन्होंने सुपरस्टार के साथ फेमस पोज भी दिया। अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू' के गाने 'बुट्टा बोम्मा' पर अरमान मलिक के साथ थिरकने के बाद एड शीरन ने बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड स्टार का फेमस आइकॉनिक पोज दिया। उनकी यह मुलाकात सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शाहरुख और एड शीरन दोनों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस मुलाकात की पोस्ट शेयर की। शेयर किए गए वीडियो में शाहरुख को पेपरकटिंग प्रिंट वाली ढीली शर्ट पहने देखा जा सकता है, जिसे उन्होंने रिप्ड जींस और स्नीकर्स के साथ पेयर किया है। एड शीरन ने ब्लैक पैंट, मार्बल प्रिंट स्वेटशर्ट पहनी थी, जिसे उन्होंने अपने जॉर्डन के साथ पेयर किया। इस दौरान शाहरुख अभिनीत फिल्म 'ओम शांति ओम' का गाना 'दीवानगी दीवानगी' बजाया गया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते ही फैंस के बड़ी संख्या में कमेंट आने लगे। 'ओम शांति ओम' का निर्देशन करने वाली शाहरुख की दोस्त और निर्देशक-कोरियोग्राफर फराह खान ने कमेंट में लिखा, अगर यह आखिरी चीज होती जिसे मैंने निर्देशित किया होता तो मैं खुशी से मर जाती। इससे पहले 2017 में एड शीरन की भारत यात्रा के दौरान फराह खान के साथ उनकी तस्वीर वायरल होने के बाद नेटिजन्स फूट पड़े थे। इससे पहले, 'परफेक्ट' गायक ने मुंबई के एक स्कूल का दौरा किया और स्कूल में अपने प्रशंसकों के साथ जमकर मस्ती की।

'ओम शांति ओम' का निर्देशन करने वाली शाहरुख की दोस्त और निर्देशक-कोरियोग्राफर फराह खान ने कमेंट में लिखा, अगर यह आखिरी चीज होती जिसे मैंने निर्देशित किया होता तो मैं खुशी से मर जाती।

हुमा कुरैशी

ने कहा, विरोधियों को कड़ी चुनौती देती हैं रानी भारती

मुंबई (आईएएनएस)। हाल ही में हिट स्ट्रीमिंग शो 'महारानी' के तीसरे सीजन के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया पाने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शो में अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से खुलकर बात की। तीसरे सीजन में दिखाया गया है कि पति की हत्या के मामले में फंसाए जाने के बाद जेल में बंद हुमा की मुख्य किरदार रानी भारती कैसे वापसी करती है। बाहर उनके बच्चों पर हुए हमले के बाद वह अपने राजनीतिक विरोधियों को कड़ी चुनौती देती नजर आती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने स्ट्रीमिंग फिल्म 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में फिल्म निर्माता वासन बाला के साथ अपने पिछले जुड़ाव और 'महारानी' के बारे में खुलकर बात की। शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, रानी भारती एक ऐसा किरदार है जो अपने विरोधियों के लिए बनाई गई योजना अपने तक ही रखती है।

वह उन साजिशों से भी वाकिफ है जो उन्हें नीचे गिराने के लिए रची जा रही हैं। लेकिन वह हमेशा अपनी ईमानदारी से समझौता किए बिना उभरकर सामने आती हैं। इस शो में बिहार की राजनीतिक घटनाओं को काल्पनिक कहानी के तौर पर दिखाया गया है। शो को देखकर आपको राज्य की वह घटना याद आएगी जब राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को अपना उत्तराधिकारी बनाया था। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस को लगता है कि उनकी इस कहानी ने महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी प्रभावित किया है। हुमा ने कहा, शो में उन्हें राजनीतिक ताकत लेने के लिए प्रेरित किया जाता है और वह गरिमा और बुद्धि का प्रयोग कर मैदान में कूद पड़ती हैं, भले ही उनके कई विरोधी एक अशिक्षित महिला होने के कारण उनकी क्षमता को कम आंकते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि दर्शकों ने इस कहानी का बहुत आनंद लिया। वासन बाला और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' पर आगे हुमा ने कहा कि उन्होंने वासन के साथ कल्ट-क्लासिक 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में काम किया है।

उस समय, वासन ने लेखक अनुराग कश्यप के साथ उनके सहायक के रूप में काम किया था। दरअसल, वह 'भूस' गाने में तब नजर आते हैं जब मनोज बाजपेयी और जमील खान के किरदार आगजनी कर जेल से भागने की योजना बना रहे होते हैं। हुमा ने बताया, मोनिका, ओ माई डार्लिंग' में मुझे मेरे किरदार मोनिका के लिए लोगों से बहुत प्यार मिला। मुझे लगता है कि दर्शक मेरे बारे में जो पसंद करते हैं वह यह है कि मैं मोनिका और महारानी दोनों का किरदार आसानी से निभा सकती हूं। मैं वासन को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के समय से जानती हूं और आगे भी उनके साथ काम करने की उम्मीद करती हूं।

नीता लुल्ला

ने कामकाजी महिलाओं को अच्छा दिखने के लिए दिए टिप्स

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर और फैशन स्टाइलिस्ट नीता लुल्ला ने महिलाओं के लिए काम के दौरान आकर्षक और स्टाइलिश दिखने के टिप्स साझा किए हैं। बता दें कि नीता लुल्ला ने उद्योग में 40 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए अपनी ड्रेस को और अधिक आकर्षक बनाने के टिप्स भी साझा किए। नीता ने कहा, एक कामकाजी महिला एक ताकत होती है, आपके कपड़ों में वह शक्ति और सुंदरता झलकनी चाहिए। उन्होंने कहा, अपनी व्यक्तिगत शैली को चमकने दें, आप पूर्व और पश्चिम से प्रेरणा ले सकते हैं और कढ़ाई वाले रेशमी ब्लाउज के साथ एक क्लासिक पेंसिल स्कर्ट जोड़ सकते हैं। आगे उन्होंने बताया, ब्लैक, नेवी और ग्रे जैसे रंगों में क्लासिक, अच्छी तरह से फिट होने वाले कपड़ों पर फोकस करें। ये आसानी से मेल खाएंगे, जिससे वर्सटाइल ड्रेस के लिए आधार बनेगा।

धूम मचा रहा है डिवाइन और करण औजला का गाना

नथिंग लास्ट्स

मुंबई (वार्ता)। हिप-हॉप आइकन डिवाइन और करण औजला का गाना 'नथिंग लास्ट्स' धूम मचा रहा है। डिवाइन और करण औजला का एल्बम 'स्ट्रीट ड्रीम्स' अपने सभी सात ट्रैकों के साथ धूम मचा रहा है, खासकर'नथिंग लास्ट्स', जो ट्रेंडिंग कर रहा है। करण औजला और डिवाइन द्वारा लिखित और प्रस्तुत और यस प्रूफ और जे ट्रैक द्वारा निर्मित,'नथिंग लास्ट्स' जोएल डिसूजा (जेडी) द्वारा निर्देशित किया गया है।'नथिंग लास्ट' की शूटिंग धारावी के आफ्टर स्कूल ऑफ हिप-हॉप में धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट के सहयोग से की गई है। 'नथिंग लास्ट्स'का आधिकारिक वीडियो करण औजला के यूट्यूब चैनल पर देखने के लिए उपलब्ध है और सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुनने के लिए भी उपलब्ध है।

अक्षरा सिंह का होली स्पेशल गाना फलनवा के बेटा रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री-गायिका अक्षरा सिंह का होली स्पेशल गाना फलनवा के बेटा रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह का होली गीत फलनवा के बेटा,उनके ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस गाने को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि होली रंगों का त्यौहार है, और अपनों के साथ होली खेलने का मजा ही कुछ और होता है। ऐसे में जब अपने ही होली में ना आए तो एक शिकायत सी होती है जो इस गाने की थीम है।

'स्कूप' ने दिलाई अभिनय की दुनिया में नई पहचान

करिश्मा तन्ना

मुंबई (आईएएनएस)। *2001 में एक टीवी शो से अभिनय में कदम रखने वाली एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने कहा कि 2023 में रिलीज हुई सीरीज 'स्कूप' ने उन्हें अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई। एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद ही लोगों ने उन्हें गंभीरता से लेना शुरू किया। लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, सीरीज 'स्कूप' से पहले भी लोग मुझे इस इंडस्ट्री में जानते थे। मगर 'स्कूप' ने मुझे अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई है। इसके बाद ही इंडस्ट्री ने मुझे गंभीरता से लेना शुरू किया। मेरे काम के बाद लोगों में मेरे प्रति बदलाव आया। एक्ट्रेस ने महत्वाकांक्षी डिजाइनरों के सपनों और जुनून को रैंप पर उतारा। यह पूछे जाने पर कि जब वह इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं तो क्या उन्हें 'सपोर्ट' मिला, करिश्मा ने कहा, नहीं, मुझे कोई सपोर्ट नहीं मिला। मैं इस इंडस्ट्री से नई आई थी। मेरा कोई कनेक्शन नहीं था। एक्ट्रेस आज जहां हैं उसके लिए वह अपनी किस्मत और अपनी मां को श्रेय देती हैं।*

होली गीत 'उजर ओढ़निया रंगनी' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका खुशी कक्कर और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का होली गीत 'उजर ओढ़निया गनी' रिलीज हो गया है ।गीत वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गीत के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को शुभदयाल सोहरा ने लिखा है, जबकि विकाश यादव ने संगीत दिया है।

सॉफ्ट स्किल्स जॉब पाने में ऐसे होते हैं मददगार

किसी भी कंपनी में नौकरी देने से पहले वहां के एंपलॉयर आपके रिज्यूमे में कुछ सॉफ्ट स्किल्स को भी परखते हैं। ये बात तो तय है कि सॉफ्ट स्किल किसी की भी प्रोफेशनल लाइफ ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ के लिए भी जरूरी है। आज के समय में सॉफ्ट स्किल से संबंधित जानकारी सभी को होनी जरूरी है। जिस भी कैंडिडेट के पास सॉफ्ट स्किल्स मौजूद होंगी उन्हें अपनी फील्ड में एक अच्छी नौकरी यकीनन मिल सकती है। आइए जानते हैं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में –

सॉफ्ट स्किल

समय के साथ-साथ लगातार अच्छे करियर के लिए जॉब लेने के तरीकों और काम करने में कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। पहले के मुकाबले अब कंपनियों के नियम और कानून भी बदल गए हैं। सॉफ्ट स्किल एक तरह से किसी के भी करियर के निर्माण या उसे दिशा देने की क्षमता रखने वाला साधन है। आजकल हम अक्सर देखते हैं आस पास की चीजें अब काफी हाईटेक और स्मार्ट हो गई हैं। ऐसे में सॉफ्ट स्किल न होने पर किसी के करियर का ग्राफ नीचे जा सकता है। सॉफ्ट स्किल किसी भी व्यक्ति के हुनर या काम को और भी ज्यादा निखारता है। इसमें बातचीत का लहजा, गुड कम्युनिकेशन, टीम वर्क, नेतृत्व के गुण, तर्क संगत, किसी भी समस्या को चुटकिओं में सुलझाना शामिल है।

सॉफ्ट स्किल क्यों जरूरी है

ऐसे कई लोग हैं जिनमें हार्ड स्किल या फिर टेक्निकल स्किल की क्षमता ज्यादा होती है। ज्यादातर लोगों में देखा गया है कि उनमें सॉफ्ट स्किल की कमी की वजह से उन्हें अपनी फील्ड में कुछ खास सफलता नहीं मिलती। आपके पास स्किल निगोशिएशन, आई कॉन्टेक्ट, बॉडी लैंग्वेज, बिजनेस मैनेजमेंट और टीम स्किल होनी बेहद जरूरी है। बता दें, सॉफ्ट स्किल की भूमिका किसी के भी प्रोफेशनल करियर में काफी जरूरी है।

करियर डेवलपमेंट और सॉफ्ट स्किल

करियर में आगे बढ़ने के लिए हमेशा बड़ी-बड़ी डिग्री और डिप्लोमा ही काम नहीं आता। इसके अलावा कुछ खास स्किल्स भी होनी जरूरी है। सॉफ्ट स्किल किसी कॉलेज या किसी इंस्टीट्यूट में नहीं सिखाया जाता। इसे आपको खुद ही सीखना पड़ता है। इसे आपको अपने जीवन में होने वाली घटनाओं से जोड़ते हुए अपनाना होगा।

इतिहास में इस नाम से जानी जाती थी पाई संख्या

हर साल 14 मार्च को पाई दिवस का आयोजन किया जाता है जो की कल था। पाई संख्या गणित की एक महत्त्वपूर्ण संख्या है, जिसके शुरुआती तीन अंक 3.14 है। हमने-आपने भी कभी-न-कभी इस संख्या का इस्तेमाल जरूर किया होगा। इस संख्या का मान किसी वृत्त की परीधि और उसके व्यास के बराबर होता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दुनिया के इतिहास में पहले इस संख्या को किस नाम से जाना जाता था। नहीं तो आज हम बताएंगे इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में–

–14 मार्च को पाई दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाई में 3.14 पाई का पहला अंक है। दुनिया भर में गणित के शौकीन इस अनंत लंबी, कभी न खत्म होने वाली संख्या का जश्न मनाना पसंद करते हैं।

–पाई का प्रतीक 250 वर्षों से अधिक समय से उपयोग में आ रहा है। यह प्रतीक 1706 में वेल्श गणितज्ञ विलियम जोन्स द्वारा पेश किया गया था। इस प्रतीक को गणितज्ञ लियोनहार्ड यूलर द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था।

–पाई वास्तव में मिस्र की पौराणिक कथाओं का एक हिस्सा है। मिस्र में लोगों का मानना था कि गीजा के पिरामिड पाई के सिद्धांत पर बनाए गए थे। पिरामिडों की ऊर्ध्ववाधर ऊंचाई का उनके आधार की परिधि के साथ वही संबंध होता है, जो किसी वृत्त की त्रिज्या और उसकी परिधि के बीच होता है। पिरामिड अद्भुत संरचनाएं हैं और दुनिया के सात आश्चर्यों में से एक हैं।

–पाई के दशमलव स्थानों की सबसे अधिक संख्या को पढ़ने का रिकॉर्ड 21 मार्च 2015 को वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर, भारत में राजवीर मीना द्वारा हासिल किया गया था। वह 70,000 दशमलव स्थानों को सुनाने में सक्षम थे। रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए राजवीर ने अपनी वापसी की पूरी अवधि के दौरान आंखों पर पट्टी बांध रखी थी, जिसमें आश्चर्यजनक रूप से 10 घंटे लगे।

–पाई को हमेशा पाई के नाम से नहीं जाना जाता था। 1700 के दशक से पहले लोग उस संख्या को संदर्भित करते थे, जिसे हम पाई के रूप में जानते हैं, वह मात्रा जिसके व्यास को इससे गुणा करने पर परिधि प्राप्त होती है। वेल्श गणितज्ञ विलियम जोन्स, जो सर आइजैक न्यूटन के मित्र थे, ने 1706 में पाई के लिए प्रतीक का उपयोग करना शुरू किया।

12वीं के बाद विदेश से पढ़ाई का प्लान है तो जान लें ये बातें

कुछ स्टूडेंट्स शुरुआत से ही यह मानकर चलते हैं कि उन्हें ग्रेजुएशन फॉरेन यूनिवर्सिटी से करनी है, इसके लिए वे शुरू से ही तयारी भी करते हैं। कुछ लोग अचानक विदेश जानें का प्लान बना लेते हैं। आज हम बताएंगे की अगर 12वीं के बाद विदेश जाकर पढ़ाई करने का सोच रहें हैं तो क्या-क्या जरूरी बातों का ध्यान रखें–

एडमिशन का प्रॉसेस

11वीं क्लास में पढ़ाई के दौरान (परीक्षा के बाद भी) से कुछ टॉप यूनिवर्सिटी के एडमिशन का प्रॉसेस जरूर चेक करते रहें। ज्यादातर यूनिवर्सिटी एडमिशन का प्रॉसेस एक साल पहले ही ओपन कर देती हैं। ऐसे में एडमिशन से जुड़ी हर छोटी बड़ी इनफॉर्मेशन को जरूर चेक करते रहें।

लैंग्वेज एग्जाम

ज्यादातर इंग्लिश-बोलने वाले देशों की यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लेने के लिए अंग्रेजी भाषा में पास होने के लिए एक प्रमाण देना होता है। जिसके लिए दो प्रकार एग्जाम होते हैं। TOEFL या IELTS इन परीक्षाओं से ही स्टूडेंट्स के पढ़ने, लिखने, सुनने, और बोलने की स्किल्स को परखा जाता है।

डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन

किसी भी कॉलेज में एडमिशन के लिए डॉक्यूमेंट बहुत इंपॉर्टेंट होते हैं ऐसे में सभी डॉक्यूमेंट को वेरिफाइड रखें। विदेश जाने से पहले एक बार चेक जरूर कर लें।

कॉलेज एंट्रेंस

अच्छी यूनिवर्सिटी में पढ़ना हर किसी का सपना होता है ताकि फ्यूचर अच्छा बनाया जा सके। विदेश में अच्छे कॉलेज में पढ़ने के लिए वहां के एंट्रेंस एग्जाम की तयारी करना भी जरूरी है इसीलिये पहले से ही एग्जाम की तयारी शुरु कर दें। स्टूडेंट्स को एडमिशन को लेकर किसी भी तरह की कन्फ्यूजन हो तो कॉलेज की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं।

स्कॉलरशिप वाले कॉलेज

विदेश में पढ़ाई करना कोई साधारण बात तो नहीं हो सकती इसके लिए लम्बे चौड़े खर्चे के बारे में भी सोच लें। अगर अच्छे कॉलेज में एडमिशन के साथ स्कॉलरशिप भी मिल जाए तो पढ़ाई के खर्चे का बोझ कम हो सकता है।

रहने का इंतजाम सुनिश्चित करें

यह बात सबसे पहले दिमाग में बैठा लें कि विदेश में सिर्फ पढ़ाई ही नही करनी है बल्की वहां कंफोर्टेबली रहना भी है। एक दो दिन की बात नहीं है कि एडजेस्ट कर लिया जाए। पढ़ाई में कोई डिस्टरबेंस न हो इसीलिए यूनिवर्सिटी देखने के साथ वहां ठहरने की भी अच्छी जगह तलाश लें। कोशिश यह रहे कि हॉस्टल कॉलेज के नजदीक हो जिससे पढ़ाई का कीमती समय बचे।

इन शॉर्ट टर्म कोर्स से बदल सकते हैं अपनी किस्मत

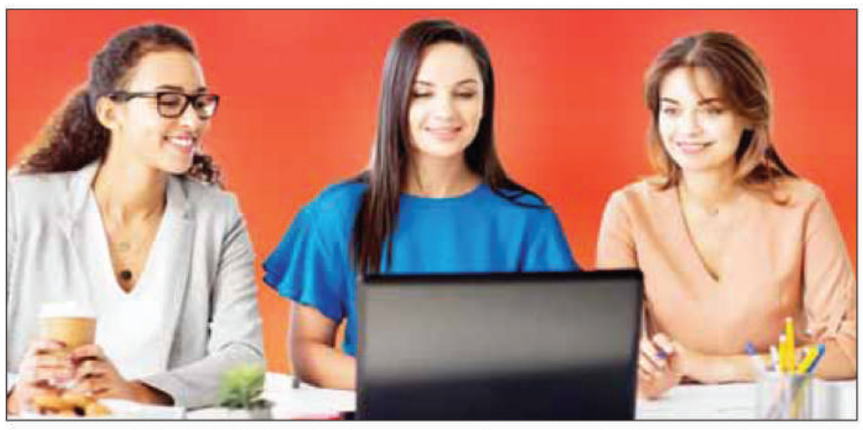

डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन–12वीं पास छात्रों के लिए 6 महीने से 1 साल का डिप्लोमा कोर्स जॉब पाने के लिए बेहतर है। कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा होल्डर को मल्टी नेशनल कंपनियों में शानदार पैकेज पर जॉब ऑफर की जाती है।

इस कोर्स के बाद सॉफ्टवेयर डेवलपर, सॉफ्टवेयर मैनेजर और ग्राफिक डिजाइनर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

इवेंट मैनेजमेंट–अगर आपका मैनेजमेंट सेक्टर की ओर खिंचाव है, तो आप भी 12वीं क्लास के बाद इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कर सकते हैं। आप इसको एक वर्ष से भी कम समय के अंदर कर सकते हैं। इस कोर्स के होने के बाद आप ब्रांड मैनेजिंग, नेटवर्किंग, होस्टिंग, बजट मैनेजिंग, मीडिया मैनेजमेंट आदि काम कर सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग कोर्स– इन दिनों डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की बहुत अधिक डिमांड है। आज के समय में हर कोई ऑनलाइन दुनिया की तरफ रुख कर रहा है। ऐसे में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट की जरूरत भी काफी बढ़ गई है। बिजनेस चाहे छोटा हो या बड़ा, लोग अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। आप इस शॉर्ट टर्म कोर्स को करने के बाद एसईओ से लेकर वेब एनालिटिक्स और एफिलिएट मार्केटिंग आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जान पाएंगे।

फोटोग्राफी कोर्स– अगर आपको फोटोग्राफी करना अच्छा लगता है और आप अपने पैशन को प्रोफेशन में बदलना चाहते हैं, तो ऐसे में फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इस शॉर्ट टर्म कोर्स को करने के बाद आप कैमरा टेक्निक, लाइटिंग और पोस्ट-प्रोसेसिंग के बारे में अच्छी तरह सीख जाते हैं।

डिप्लोमा इन फॉरेन लैंग्वेज– भाषा हमारे विचारों का आदान-प्रदान करती है, डिप्लोमा इन फॉरेन लैंग्वेज का कोर्स करने के बाद आप अच्छे पैकेज वाली जॉब पा सकते हैं। भाषाओं को मानव का व्यवहार समझने में भी महत्वपूर्ण माना जाता है। –किस जानवर को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है?

GENERAL KNOWLEDGE

–**किस** देश में केवल 40 मिनट की रात होती है?

उत्तर – पूरी दुनिया में केवल नॉर्वे वो एकमात्र ऐसा देश है, जहां केवल 40 मिनट की रात होती है।

–बताएं वह क्या है, जो बिना धोए खाते हैं, खाकर बहुत पछताते हैं, कहने में भी शर्माते हैं?

उत्तर– दरअसल, वो चीज है जूते-चप्पल, जो बिना धोए खाते हैं, खाकर बहुत पछताते हैं और कहने में भी शर्माते हैं।

–क्या आप बता सकते हैं कि आखिर विश्व का सबसे सुरक्षित देश कौन सा है?

उत्तर–बता दें कि दुनिया का सबसे सुरक्षित देश आइसलैंड है। इस देश की कोई आर्मी भी नहीं है।

–बताएं आखिर दिल्ली से पहले भारत की राजधानी क्या थी?

उत्तर–बता दें कि दिल्ली से पहले भारत की राजधानी कलकत्ता थी।

–क्या आप जानते हैं कि आखिर वह कौन सा देश है, जहां एक भी ट्रैफिक सिग्नल नहीं है?

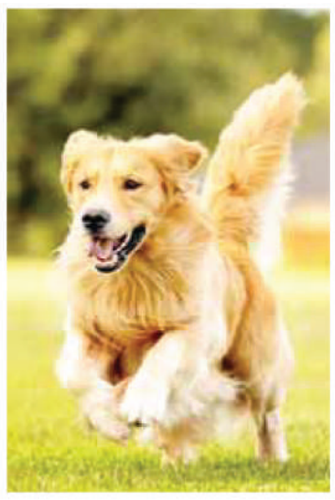

उत्तर–आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भूटान वो देश है, जहां एक भी ट्रैफिक सिग्नल नहीं है।

–किस जानवर को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है?

उत्तर–कुत्ते को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है।

–बताएं आखिर दुनिया में वो कौन सा इकलौता देश है, जिसकी 3 Capital हैं?

उत्तर– दरअसल, उस देश का नाम है साउथ अफ्रीका। बता दें साउथ अफ्रीका की तीन राजधानियां है, जिनका नाम है प्रिटोरिया, केप टाउन और ब्लोमफोन्टेन हैं।

–वो कौन-सा जानवर है, जिसके तीन पलकें होती हैं?

उत्तर–ऊंट इकलौता ऐसा जानवर है, जिसकी तीन पलकें होती हैं।

–ऐसा कौन सा जीव है जिसे अपनी मौत आने से पहले उसे पता चल जाता है?

उत्तर–बिच्छू को अपनी मौत आने से पहले पता चल जाता है।

–ऐसा कौन सा जीव है जो 3 साल तक सोता है?

उत्तर– समुद्रीय घोघा ही ऐसा जीव है जो 3 साल तक सोता है।

–सोने का मंदिर भारत के किस शहर में है?

उत्तर–सोने का मंदिर अमृतसर शहर में है।

–भारत में बुलंद दरवाजा कहां है?

उत्तर–भारत में बुलंद दरवाजा फतेहपुर सीकरी में है।

–कौन सा जीव अपनी सांस 6 दिन तक रोक सकता है?

उत्तर–बिच्छू अपनी सांस 6 दिन तक रोक सकता है।

सत्ता की राजनीति हेतु प्रचंड पथ का फरेब

एक सिंगा गेंडा नेपाल का राष्ट्रीय पशु है। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 23 सितंबर, 2023 को अपनी चीन यात्रा में दो गेंडे साथ लेते गये थे। चीन इस गिफ्ट से गद्गद था। तब यह सुनिश्चित हुआ कि प्रचंड गेंडा कूटनीति को आगे भी मजबूत करते रहेंगे। ट्रेड-ट्रांजिट, ऊर्जा व बीआरआई जैसे समझौतों को आप उभयपक्षीय उदाहरण के रूप में ले सकते हैं। चीनी दूतावास ने 14 जनवरी, 2024 को काठमांडो में पहली बार चीनी चंद्र नववर्ष समारोह का आयोजन किया था, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री प्रचंड ने किया था। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने चीनी कलाबाजी और जादू का प्रदर्शन किया था। इसके दस दिन बाद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसीआईडी) के अंतर्राष्ट्रीय विभाग में उपमंत्री सुन हैयान ने 26 जनवरी, 2024 को नेपाल का दौरा किया था। चीनी जादू के साथ-साथ प्रचंड की गेंडा नीति को समझने के लिए इस संदर्भ की जरूरत है।

आप जितनी मर्जी प्रचंड की आलोचना करें। वो वज्रचर्मा हैं। लोगों की बातों और निंदा का असर प्रचंड पर नहीं होता। नेपाल में भारत की तरह द्विसदनात्मक व्यवस्था है। 59 सदस्यीय ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा (नेशनल असेंबली) में मंगलवार को वोटिंग के जरिये प्रचंड ने अपने भाई नारायण दाहाल को अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित करा दिया। नेशनल असेंबली में स्पीकर पद के लिए मंगलवार को हुए मतदान में नारायण दाहाल को ओली की नेकपा-एमाले और माओवादी सेंटर समेत पांच पार्टियों ने समर्थन दिया था। उसके अगले दिन बुधवार को प्रचंड 275 सदस्यीय निचले सदन प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत जीत गये।

संसद में विश्वासमत वाली सुबह प्रचंड से चीनी राजदूत छन सोंग बलुआटार स्थित पीएम आवास पर मिले। प्रचंड के लिए वोट करने वाले नेकपा-एमाले के 75, माओवादी सेंटर के 32, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के 21, जनता समाजवादी पार्टी के 12, यूनिफाइड सोशलिस्ट के 10, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के 4, आम जनता पार्टी के प्रभु साह के साथ-साथ निर्दलीय अमरेश कुमार सिंह और योगेन्द्र मंडल भी शामिल हैं। प्रचंड को समर्थन देने वालों में आम जनता पार्टी नेपाल के साथ-साथ निर्दलीय सांसद अमरेश कुमार सिंह और योगेन्द्र मंडल भी शामिल हैं। प्रचंड के खिलाफ मतदान करने वालों में नेपाली कांग्रेस के 87 सांसद, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के 13, जनमत पार्टी के 5, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के 4 और राष्ट्रीय जनमोर्चा के एक

विधायक शामिल थे। विश्वास प्रस्ताव के समय नेपाल वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी के प्रेम सुवाल मतदान से अनुपस्थित रहे।

इस हफ्ते जो कुछ नेपाल की राजनीति में घटित हुआ, उससे एक बात तो स्पष्ट है कि प्रचंड को सत्ता में बने रहने की भूख सबसे अधिक है, जिसका फायदा केपी शर्मा ओली जैसे कुटिल नेता उठा रहे हैं। ओली को प्रचंड के रूप में एक कठपुतली मिल चुका है। जो ओली कभी प्रचंड के परिवार वालों को पचा नहीं पाये, अब उनसे कोई परेशानी नहीं हो रही है। 14 अगस्त, 2022 को केपी शर्मा ओली ने प्रचंड पर कटाक्ष किया था, मेरा छोटा भाई अभी भी जमीन जोतता है। क्या मैंने उसे राजदूत बनाया? अगर मेरा इरादा अपने भाई को राजदूत बनाने का होता तो शायद मैं ऐसा कर सकता था। ओली ने पत्रकारों से पूछा था, क्या आपने मेरे भाई को राजदूत बनने, या किसी समिति में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करते हुए सुना है? यूएमएल के चेयरमैन ओली से अब कोई पूछे प्रचंड के भाई-भतीजावाद पर इतनी आपत्ति रही थी, तो आज क्या हुआ कि नारायण दाहाल को उनकी पार्टी उच्च सदन में स्पीकर पद के लिए समर्थन दे रही थी? ओली दरअसल, प्रचंड को इस कदर कमजोर, सत्ता लोभी और परिवार लोलुप साबित कर देना चाहते हैं कि एक समय के बाद नेपाल की जनता उनसे घृणा करने लगे। अस्सी के दशक में नेपाल के अकादमिक सर्किल में प्रचंड पथ की खूब चर्चा होती थी। अलग-अलग लोग, प्रचंड पथ की व्याख्या भी अलग-अलग। पुष्पकमल दाहाल प्रचंड के शैदाई कहते थे, मार्क्स-लेनिनवाद, माओ और पेरूवियन गुरिल्ला लीडर गोंजालो की विचारधारा का कॉकटेल है, प्रचंड पथ।

लेकिन आज की तारीख में प्रचंड पथ की साधारण व्याख्या यह है कि अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करना और परिवार वालों को राजनीति में सेटल करने का दूसरा नाम है प्रचंड पथ। 25 दिसंबर, 2022 को प्रचंड तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे। प्रचंड ने जितनी तेजी से गठबंधन को बदलने का उदाहरण पेश किया है, नेपाल के विश्लेषक उसकी तुलना नीतीश की पलटूमार पॉलिटिक्स से कर सकते हैं। लेकिन इसकी समीक्षा करनी चाहिए प्रचंड पथ में परिवार को गद्दी देने की गुंजाइश है? ऐसा तो नहीं, कि केरल के मुख्यमंत्री कामरेड पिनराई विजयन से प्रचंड ने प्रेरणा ली हो? मई, 2021 में पिनराई विजयन ने अपने दामाद मोहम्मद रियाज को कैबिनेट में जैसे जगह दी, माकपा पर सवाल उठने लगे।

प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पुत्री गंगा दाहाल को जिस तरह आगे बढ़ाने की कवायद आरंभ की है, वह सत्ता के गलियारे में चर्चा का विषय है। दूसरी बेटी रेणु दाहाल की राजनीति चितवन में सलामत रहे, चुनांचे रबि लामिछाने से समझौते की विवशता है। 11 दिसंबर, 2024 को प्रचंड 72 साल के हो जाएंगे। पत्नी सीता दाहाल, बेटा प्रकाश दाहाल और बेटी ज्ञानू केसी की मृत्यु हो चुकी। दो बेटियां रेणु और गंगा विरासत संभाल लें, इसकी चिंता सताती रही है। चेयरमैन ओली की सबसे बड़ी कमजोरी थी, पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी। उस कमजोरी से भी उन्होंने मुक्ति पा ली। पत्नी राधिका शाक्य को ओली ने कोई ऐसा पद नहीं दिया कि कोई उनकी निंदा करे। बाल न बच्चा, नींद पड़े अच्छा के सनातन सिद्धांत पर चलते हैं ओली। पांचवीं पास ओली प्रचंड को इस तरह घुमा देंगे, इसे देखकर नेपाली कांग्रेस के रणनीतिकार भी हतप्रभ हो गये। ओली ने बयान दिया कि जो कुछ हुआ, उसमें चीन का कोई रोल नहीं है। मगर, ओली की सत्ता जब गई थी, पानी पी पीकर भारत को कोसा था। भारत से बदला लेने तक का संकल्प ओली ने कर लिया था।

प्रचंड ने रबि लामिछाने, रघुबीर महासेठ, नारायण काजी श्रेष्ठ और उपेन्द्र यादव जैसे जिन लोगों को उपप्रधानमंत्री बनाया है, वह कब उनके लिए कालनेमी साबित होंगे, उसका इंतजार सभी को रहेगा। यों, इस दुरभिसंधि की एक्सपायरी डेट 2024 में ही है। लेकिन क्या प्रधानमंत्री प्रचंड को 21 मार्च, 2007 की काली रात याद है, जब उन्हीं की पार्टी के 27 कार्यकताओं की हत्या रौतहट जिले के गौर में की गई थी? उसकी जांच पूरी नहीं हुई है। मधेशी जनाधिकार फोरम के नेता थे उपेन्द्र यादव तब, उन्हीं पर इस हत्याकांड का आरोप लगा था। 10 मार्च को उपेन्द्र यादव ने उपप्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। स्वार्थ में डूबे प्रचंड माओवादी कामरेडों के भी सगे नहीं निकले।

केन्द्रीय मंत्री व सांसद चंदौली डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल के साथ किया रसुलपुर रेलवे क्रासिंग पर अण्डर पास का शिलान्यास

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर वाराणसी 14 मार्च केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद चंदौली डॉ महेंद्र नाथ पाण्डेय ने राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल के साथ रसुलपुर रेलवे क्रासिंग पर अण्डर पास का शिलान्यास किया।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की निरंतर मांग, पंचकोसी परिक्रमा के अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल को जोड़ने वाले इस रोड पर रेलवे के व्यस्त रुट के कारण जाम लगा रहता है।एक अण्डर पास पिछले कार्यकाल में मेरे प्रयासों से बना था लेकिन डिजाइन एवं आकार के कारण उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पा रही थी।आज सड़क के दक्षिणी छोर पर भी अण्डर पास के बनने के शुरूआत के साथ ही अब इस सड़क पर आवागमन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो जायेगी। सड़क के दोनों तरफ अण्डर पास जाने से अब जाम नहीं लगेगा।सार्वजनिक सेवाओं की

बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारे राजनीतिक जीवन का सदैव से लक्ष्य रहा है।आज चन्दौली लोकसभा क्षेत्र विकास कार्यों की एक लम्बी श्रृंखला के कारण अपनी पहचान बना रहा है। इस अवसर राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल ने रेलवे क्रासिंग के बगल में चौहान बस्ती तक सम्पर्क मार्ग बनाने के लिए रेलवे के अधिकारियों से विकल्प निकालने के लिए कहा। श्री जायसवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आभार जताते हुए केन्द्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पाण्डेय को रसुलपुर अण्डर पास की स्वीकृति दिलाने के लिए धन्यवाद भी दिया। शिलान्यास समारोह में पीडब्ल्यूडी की कुल 59 सड़कों का भी शिलान्यास सम्पन्न हुआ। जिसमें नवीनतम करण योजना के अंतर्गत 8 सड़क जिनकी लम्बाई 41.10 किमी तथा लागत 1292.61 लाख रुपए , विशेष मरम्मत की 46 सड़कें जिनकी लम्बाई 64.99 किमी तथा लागत1124.56 लाख रुपए के साथ ही पुनर्निर्माण की 4 सड़क जिनकी लम्बाई 5 किमी लागत 119.10 लाख रुपए है। उपस्थित जनों में टाटा मोटर्स के ग्लोबल हेडसुशांत नाइक ,शुलभ इंटरनेशल की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट आभा कुमार, राम प्रकाश दुबे, उमेश दत्त पाठक, ब्लाक प्रमुख बब्बू उपाध्याय,चन्द्रशेखर सिंह, अखण्ड सिंह, संजय सिंह, श्रीनिकेतन मिश्र,गोपाल भारद्वाज, धर्मेन्द्र पटेल, कमलेश मौर्य,रामजी मौर्य, देवब्रत रघुवंशी, विनोद सिंह, अंजनी नंदन पाण्डेय,अशोक पाण्डेय,भोदू यादव,जय प्रकाश मौर्य,अरुण पाठक, संतोष सिंह,प्रमोद पाण्डेय,आदि उपस्थित रहे।

3 सोने की गुल्ली (50 लाख) मलाशय में छुपा कर ला रहा था बिहार का यात्री बाबतपुर एयरपोर्ट पर धराया

प्रखर वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट बाबतपुर पर शारजाह से आए एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान से एक यात्री से सीमा शुल्क की हवाई खुफिया इकाई ने लगभग 49.46 लाख रुपये का विदेशी सोना बरामद किया है। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर लेख राज और इंस्पेक्टर मुकुंद लाल सिंह के द्वारा की गई है। बतादे कि हवाई खुफिया अधिकारियों को सूचना मिली थी कि एक यात्री अपने शरीर में सोना पेस्ट के रूप में छिपाकर ला रहा है। कड़ाई से पूछताछ के बाद यात्री ने बताया कि वह अपने मलाशय में सोने का तीन गुल्ली छिपाया हुआ है। तीनों गुल्ली में सोना पेस्ट फॉर्म में है। इस सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए यात्री को एयरपोर्ट पर ही पकड़ा गया। यात्री की पहचान बिहार के दरभंगा निवासी अजय कुमार महतो के रूप में हुई है।

सुभासपा कार्यकर्ताओं की बैठक में एनडीए प्रत्याशियों को जिताने पर की गई चर्चा

प्रखर फाजिलनगर। स्थानीय कस्बे के एक मैरेज हाल में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी के मजबूती पर चर्चा सहित होने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी को जीत दिलाने को लेकर चर्चा की गई।

उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विजय कुमार राव ने कहा कि 2024 के लोक सभा चुनाव में एनडीए यूपी की सभी 80 सीटे तथा पूरे भारत में चार सौ से अधिक सीटे जीतकर मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने हमेशा गरीब शोषित और बंचीतो की लड़ाई लड़ी है। यही देन है कि प्रदेश की योगी सरकार में उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाकर पंचायती राज विभाग और अल्पशंख्यक कल्याण विभाग दिया गया है। जिससे की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं और कार्यक्रम जरूरत मंदो तक पहुंच सके।

जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा प्रदीप कुमार राव ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीड है इनके बदौलत ही कोई चुनाव जीता जा सकता है। आपलोग एनडीए प्रत्याशी को जिताने के लिए अभी से लग जाए। साथ ही लोकसभा क्षेत्र घोषी में पहुंचकर डॉ अरविंद राजभर को भारी मतों से जिताने के लिए पूरा सहयोग करें। कार्यक्रम को प्रदेश प्रवक्ता अमित कुमार सिंह प्रीतुल, विधानसभा अध्यक्ष फाजिलनगर प्रिंस राजभर, विधानसभा अध्यक्ष युवामोर्चा चंदन राजभर, अखिलेश सिंह, मनीषचंद्र कौशिक आदि ने संबोधित किया। बैठक का संचालन अवनीश सिंह ने किया। इस दौरान कृष्णाकांत मिश्रा, अनुराग सिंह, रामप्रीत कुशवाहा, सतेंद्र गुप्ता, दीपक सिंह, अमित सिंह, मुकुल सिंह, आशुतोष राठौर,नागेश राव,विशाल, अमर चौहान, रंजित सिंह, अतुल कुमार सिंह सहित ढेरों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत में प्रथम कुबुडो इंडिया एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शिविर एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

प्रखर वाराणसी। कुबुडो इंडियन एसोसिएशन द्वारा वाराणसी काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉक्टर विभूति नारायण स्टेडियम में राष्ट्रीय शिविर का आयोजन आज दिनांक 15 से 16 मार्च 2024 को किया जा रहा है! क्योशी परमजीत सिंह द्वारा दिया जा रहा है क्योशी परमजीत सिंह ने बताया इस शिविर में भिन्न-भिन्न प्रकार उपकरण जैसे नान चाकू'तोहफा' स्टिक, साईं, का प्रशिक्षण दिया जाएगा परमजीत सिह जी ने यह बताया कि अब तक भारत में इस मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण कुछ लोग करते आए हैं पर अभी तक इसका प्रचार प्रसार पर्याप्त तरीके से नहीं हो पाया है इस शिविर के माध्यम से इस कला को भारत में पहली बार खेल के साथ-साथ आत्मरक्षा के रूप में पहल किया जाएगा इस कार्यक्रम में 16 मार्च को सायं 5:00 बजे से रेफरी सेमिनार का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें इस खेल के नियमों को जानकारी दी जाएगी कोबुडो एसोसिएशन आफ उत्तर प्रदेश के महासचिव अरविंद कुमार ने बताया कि भारत का या प्रथम शिविर संस्कार और सभ्यता के प्राचीन नगरी काशी में इस शुभ आरंभ आज से किया जा रहा है जो 15 मार्च से 16 मार्च प्रशिक्षण शिविर और 17 मार्च को उत्तर प्रदेश ओपन नेशनल कुबुडो चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा! इस शिविर और चैंपियनशिप में देश के कई राज्यों के खिलाड़ी भाग लेने के लिए आए हुए हैं! जैसे की गुजरात, उत्तराखंड, असम, बिहार, महाराष्ट्र, ने प्रतिभाग किया!कोबुडो एसोसिएशन आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री अमित कुमार राय जी ने बताया कि इस शिविर और प्रतियोगिता के बाद आगे आने वाले समय में राज्य के विभिन्न जिलों में इस खेल का शिविर और प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा! अनिल जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य के वाराणसी सहित जौनपुर चंदौली एवं सोनभद्र से भी खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया! इस कार्यक्रम में कोबुडो एसोसिएशन के सदस्य निर्भय सिंह, आकाश, वर्षित सहगल, अभिषेक चौरसिया, निमेष सिंह इत्यादि उपस्थित थे इस दर्यान अरविंद कुमार को टेक्निकल डायरेक्टर ऑल इंडिया में देखने को मिला पद!

पेंशनर्स भवन के आवंटन के लिए संगठन के लोगों ने जिलाधिकारी को दिया धन्यवाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेवा निवृत कर्मचारी एवम पेंशनर्स ऐशो उत्तर प्रदेश जनपद शाखा गाजीपुर की अति महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी द्वारा हाल में ही आवंटित पेंशनर्स भवन में जिलाध्यक्ष मुक्तेश्वर श्रीवास्तव की अध्यक्षता की में सम्पन्न हुई,जिसमे जिलाधिकारी महोदया की उदारता से जनपद के विभिन्न विभागों से सेवा निवृत कर्मचारी ,शिक्षक अधिकारी एवम वरिष्ठ नागरिकों ने पेंशनर्स भवन के आवंटन हेतु सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर मुक्त कंठ से सराहना करते हुए धन्यवाद आभार ज्ञापित किया गया।जिलाध्यक्ष श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि जनपद के समस्त सीनियर सिटीजन को आपसी मतभेद भुला कर पेंशनर्स हित में अपनी एकता को बनाये रखना समय की मांग है जिलाध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि सभी पेंशनर्स युद्ध स्तर पर अपना कैशलेस हेल्थ कार्ड बनवायें क्यों कि शासन द्वारा इस मद में पर्याप्त धनराशि आवंटित की गयी है साथ ही प्रदेश के सभी संबंधित अधिकारियों को इस अभियान को सफल बनाने हेतु निर्दे शित भी किया गया है। अध्यक्ष अम्बिका दूबे ने अपने संबोधन में जर्जर हो चुके पेंशनर्स भवन के पुन निर्माण के लिए एवम मरम्मत की अपील की। जिला मंत्री जनार्दन सिंह ने सदस्यता अभियान युद्ध स्तर पर शुरू करने की अपील की।जिला संरक्षक बरमेश्वर उपाध्याय ने संगठन के साथियों से जाति धर्म मजहब से ऊपर उठ कर अपने ऐशो के सदस्यों की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर संघर्ष करने की अपील की,वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर एस वर्मा ने ऐशो की इकाई का विस्तार तहसील एवम ब्लाक स्तर पर करने पर जोर दिया। बैठक को मुख्य रूप से अशोक कुमार, नरेंद्र सिंह, अक्षयबर राय, सत्यनारायण पाण्डेय, बाल कृष्ण यादव,

उग्रसेन सिंह, डी एन राय, गोपाल पाण्डेय, अवधेश श्रीवास्तव, अनूप सिन्हा, बिरेंद्र सिंह, विजय शंकर राय, डा सुग्रीव सिंह, दिनेश शर्मा, विजय कुमार मधुरेश, जीउत शर्मा नरसिंह राम शमी उल्ला अंसारी, रामू यादव, दीनानाथ श्रीवास्तव आदि ने संबोधित किया।बैठक की अध्यक्षता मुक्तेश्वर श्रीवास्तव एवम संचालन अम्बिका दूबे एवं जनार्दन सिंह ने संयुक्त रूप से किया,सभी के प्रति आभार धन्यवाद संप्रेक्षक अशोक कुमार ने किया।

हैवानियत की हद पार, 2 साल तक नाबालिग का यौन शोषण करता रहा दरिंदा पिता

प्रखर गाजीपुर। जिले में एक हैरान करने देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक दरिंदा बाप दो साल तक अपनी ही नाबालिग बेटी से दरिंदगी करता रहा। विद्यालय में जब टीचर ने गुड टच बैड टच सिखाया तो मासूम बच्ची ने सहेलियों को अपनी दर्दनाक दास्तां सुनाई। सहेलियों से छात्रा ने कहा कि मम्मी घर पर नहीं होती तो पापा मेरे साथ गलत काम करते हैं। वही मामले की जानकारी के बाद बेटी के साथ हैवानियत करने वाले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बतादे कि मामले का पता तब चला जब बेटी ने स्कूल में गुड टच बैड टच सीखने के बाद अपने साथ हुई इस हरकत की बात सहेलियों से कही। कक्षा पांच में पढ़नेवाली छात्रा ने सहेलियों को बताया कि मां जब घर पर नहीं रहती हैं तो पापा मेरे साथ गलत काम करते हैं। वह दो साल से ऐसा कर रहे हैं। धमकी देते हैं कि अगर किसी को बताओगी तो मार देंगे। दरअसल, स्कूल में टीचर ने गुड टच बैड टच के बारे में सिखाया था। क्लास के बाद छात्रा ने सहेलियों को सारी बात बताई। किसी छात्रा ने एक पन्ने पर ये बातें लिखकर अपने विद्यालय की महिला शिक्षक को दे दी। शिक्षिका ने प्रधानाध्यापक से इसे साझा किया तो उन्होंने छात्रा से सच्चाई जानने के बाद प्रधान और उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। दरअसल, गाजीपुर में कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के विद्यालय में शनिवार को गुड टच और बैड टच के बारे में बताया जाता है। प्रधानाध्यापक के मुताबिक, वह उस दिन छुट्टी पर थे। लेकिन, हकीकत जानने के बाद उच्चाधिकारियों और प्रधान को पूरी बात बताई, जिन्होंने पुलिस को खबर दे दी।

उधर, चाइल्ड लाइन की टीम ने भी पहुंचकर जानकारी हासिल की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दो साल से नाबालिग बेटी के साथ घिनौना कृत्य करने वाले पिता के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया। साथ ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद चालान कर दिया। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि शिवरात्रि से दो दिन पहले बीते छह मार्च और शिवरात्रि के दिन बीते आठ मार्च को सुबह करीब 10.30 बजे जब मां पूजा करने मंदिर गई हुई थी तब मुझे अकेला पाकर कमरे में ले जाकर पिता ने गलत काम किया था। वह धमकी भी देते थे कि अगर किसी को कुछ बताओगी तो तुम्हें मार देंगे। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

शांतिपूर्वक संपन्न हुई नमाज ए जुमा

प्रखर जौनपुर। इस्लामिक पवित्र महीने के पहले जुमे की नमाज शहर भर में लाखों मुसलमानों ने विभिन्न मस्जिदों में अदा की।इस मौके पर ऐतिहासिक शाही अटाला मस्जिद में हजारों मुसलमानों ने नमाज अदा की ,पुलिस लाइन जामा मस्जिद में खेताब करते हुए इमाम जावेद अहमद ने कहा कि रमजान में लोग इबादत की आदत डालें उसके बाद साल भर वैसे ही इबादत करें जिस तरीके से सारे काम में से वक्त निकाल कर रमजान में लोग इबादत करते हैं ,वही इमाम ए शाही अटाला मस्जिद मौलाना सलाहुद्दीन ने नमाज ए जुमा अदा कराई,

शाही बड़ी मस्जिद मे मौलाना अबू हुरैरा ने जुमे की नमाज अदा कराई उसके पहले उन्होंने बताया की रोजेदारों को चाहिए कि वह अपने पड़ोसियों, रिश्तेदारों में उन लोगों का भी ख्याल रखे जो कि गरीबी की वजह से रमजान में परेशान नजर आते है। शाही पुल स्थित शेर मस्जिद के कारी इश्तेयाक जिया ने नमाज अदा कराई

,खानकाह रशिदिया मीरमस्त मे मौलाना मेराज ने नमाज अदा कराई , मदीना मस्जिद नवाब साहब का हाता मे मौलाना अहमद रजा जाफरी ने नमाज अदा कराई, हादी रजा मस्जिद पॉलिटेक्निक चौराहे पर कारी आफाक ने तो वही जामा मस्जिद अहमद खां मंडी में हाफिज अब्दुल हक ने नमाज अदा कराई इस मौके पर मुख्य रूप से नियाज खा,इकबाल खा,आले खा,शकील खा,निजामुल हक,जियाउल हक, मंजर अंसारी,इत्यादि लोग मौजूद रहे,मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने कहा की सभी मस्जिदों मे अकिदत के साथ जुमे की नमाज अदा की गयी और प्रशाशन व नगर पालिका का पूरा सहयोग रहा। शाही ईदगाह कमेटी के प्रवक्ता रियाजुल हक खान ने बताया की आज पवित्र रमजान के पहले जुमे की नमाज के मौके पर लाखों मुसलमान विभिन्न अलग अलग मस्जिदों में इक्ट्ठे हुए जहां पर नमाज के बाद दुनिया व हिंदुस्तान में अमन सुकून की दुआ मांगी गई,इसके अलावा शहर की शाही किला मस्जिद,लाल मस्जिद ,शाही लाल दरवाजा मस्जिद,आलम मस्जिद, सब्जी मण्डी मस्जिद,आया मस्जिद, आलम मस्जिद,जकरिया मस्जिद,गौशाला मस्जिद,मोहम्मद हसन मस्जिद,चहारसु मस्जिद, जहांगीराबाद मस्जिद, शाही जुमा मस्जिद वाजिदपुर,नूर मस्जिद अहमद खा मंडी समेत सभी जुमा मस्जिदों मे जुमा की नमाज अदा शांतिपूर्वक अदा की गयी ,मौके पर प्रशासन के लोग भी मौजूद रहे।

महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था, काटे चालान

पिंडरा। प्रदेश सरकार के निर्देश पर शुक्रवार को फूलपुर व सिंधोरा थाना की महिला पुलिसकर्मियों ने आधा दर्जन चौराहे व तिराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था की संभाली। सड़क के किनारे दुकान लगाने वालों का चालान भी काटा। सीपी मोहित अग्रवाल के निर्देश पर फूलपुर व सिंधोरा थाना क्षेत्र के फूलपुर, करखियाव, बाबतपुर, मिरशाह तिराहे , सिंधोरा, ओदार चौराहे समेत अनेक स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों ने ट्रैफिक व्यस्था की कमान संभाली। अचानक महिला पुलिसकर्मी को देख ग्रामीण एक बार सकेते में आ गए। लेकिन बाद में स्थिति जानने पर लोग व्यवस्था की प्रसन्नता जताई। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने कानून व्यवस्था व जाम की समस्या में परेशानी पैदा कर रहे फूलपुर व बाबतपुर के एक दर्जन व सिंधोरा में 6 दुकानदारों का चालान काटा गया।इस दौरान अंजू, शिखा, मंजू, प्रियंका, सरिता समेत अनेक महिला पुलिसकर्मी रही।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेसियों ने कांशीराम की जयंती मनाई

पिंडरा। पिंडरा ब्लाक के खालिसपुर स्थित कांग्रेस के कैम्प कार्यालय में शुक्रवार को स्व0 कांशीराम साहब की 90 वीं जयंती मनाई गई है। जयंती समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि कांग्रेस पार्टी के जिलाउपाध्यक्ष राजीव राम ने कहाकि कांशीराम साहब दलितों, शोषितो वंचितों के मसीहा थे ।जीवन भर दलित समाज के लिए संघर्ष किया। मोदी सरकार की के संविधान बदलने के मंसूबे को कामयाब नही होने देगे। अंतिम सांस तक बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर जी के बनाये गए संविधान को बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेंगे। इस दौरान राकेश सिंह (रिशु) रविंद्र कुमार, रतन सेठ ,रामलाल, रमाशंकर, विनोद यादव, राकेश कनौजिया, प्रदीप बनवंशी, चंदन कुमार, गुड्डू राम, गोलू , लक्ष्मीकांत, अनिल कुमार, संजय कुमार समेत अनेक कांग्रेसी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव, सीएए कानून व रमजान के मद्देनजर डीएम संग एसपी ने किया रूटमार्च

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पूरे देश में लागू सिटीजनशीप अमेंडमेंट एक्ट सीएए , जुमे की नमाज तथा आगामी लोकसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के दृष्टिगत केंद्रीय बल सीआईएसएफ के अधिकारियों तथा जवानों के साथ कोतवाली नगर क्षेत्र में मय फोर्स रूट मार्च किया गया। गस्त के दौरान अधिकारी द्वय द्वारा शहर के आम जनमानस से संवाद भी किया गया।संवाद के दौरान सभी को आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़ चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्हें इस चुनाव प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। गस्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, केंद्रीय बल सीआईएसएफ के अधिकारी एवं जवान, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मय फोर्स उपस्थित रहे।

ना हो कोई भूल, ना हो कोई चूक, अपना प्रत्याशी कमल का फूल - प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने अपने सेक्टर जखनिया के लाभार्थियों के साथ बैठकर उनसे संवाद किया और प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा मिल रही विभिन्न योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त की और जिनको योजनाएं नहीं मिल पा रही हैं या कोई भी तकनीकी समस्या है उसके समाधान को लेकर चौपाल में सभी को आश्वस्त किया की आने वाले समय मे सबको लाभ मिलेगा। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमुख वर्मा ने कहा 2024 के चुनाव की समर बेला अब आ गई है। विगत 10 वर्षों में मोदी सरकार ने इतना काम किया है कि वह आजादी के बाद विभिन्न सरकारों ने 65 वर्षों में नहीं किया था। वर्मा ने कहा मोदी सरकार ने नौजवान किसान, शोषित, दलित, वंचित, गरीब, माताएं, बहनों का विशेष रूप से ख्याल रखा और उनके जीवन में खुशहाली आए, जीवन यापन अच्छे से हो सके, हर बेघर को घर मिल सके, सारे प्रयास मोदी जी ने किया है। वर्मा ने कहा भारत आज विश्व की सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ती हुई ताकत बन रहा है, मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रमोद वर्मा ने कहा विगत 10 वर्षों में गाजीपुर में जब 5 वर्ष मनोज सिन्हा सांसद रहे तो इस जनपद का अकल्पनीय विकास हुआ। अनेकों योजनाएं गाजीपुर में आई, चहुओर खुशहाली छाई थी, पर 2019 में एक चूक के कारण विगत 5 वर्षों से गाजीपुर जनपद का विकास ठप हो गया। वर्मा ने कहा 2024 के इस चुनाव में आप सबसे अपील है कि अब ना हो कोई भूल, ना हो कोई चूक, अपना प्रत्याशी कमल का फूल। यहां से भाजपा के सांसद को जीताकर मोदी जी के हाथों को मजबूत करें और अपने गाजीपुर जनपद के हर गांव में भी विकास की गति तेजी से हो सके यही आप लोगों से अपील करने आया हूं। इसके साथ-साथ मोदी जी के गारंटी पर आपको विश्वास दिलाने आया हूं कि अब तक जिन-जिन को भी सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, निश्चित रूप से उनको जब मोदी की सरकार पुनः बन जाएगी तो लाभ अवश्य मिलेगा यह मोदी की गारंटी है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं